विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 196 | गौतमबुद्धनगर, शुक्रवार 14 जून 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

पुलिस ने 4 करोड़ का गांजा पकड़ा

P- 4

कानपुर मेडिकल कॉलेज की 5वीं मंजिल से गिरी डॉक्टर, मौत

P- 5

पाकिस्तान वित्त वर्ष 2024-25 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर उधार लेने

P- 6

टी20 विश्वकप में भाग ले रहे गॉर्डन और जॉर्डन में है कई समानताए

हैप्पी मॉर्निंग

बेटा- पापा आप इंजीनियर कैसे बने? पापा- बेटा उसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है और बहुत तेज दिमाग होना चाहिए। बेटा- तभी तो पूछ रहा हूं कि आप इंजीनियर कैसे बने? फिर तो दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल।

शायरी

उठ गई हैं सामने से कैसी कैसी सूरतें
रोइए किस के लिए किस किस का मातम कीजिए

अर्थसार

सेंसेक्स:
76,810.90
+204.33 (0.27%)
निफ्टी:
23,398.90
+75.95

मौसम

अधिकतम : 44 डिग्री से0
न्यूनतम : 32 डिग्री से
सूयोदय शनिवार : 5 : 30
सूर्यास्त शुक्रवार : 7 : 30

दोबारा होगी नीट परिक्षा

नीट के 1563 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा का प्रस्ताव, 23 जून को परीक्षा , 30 तक रिजल्ट

नई दिल्ली। नीट एग्जाम में गड़बड़ियों को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से प्रस्ताव रखा गया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट के स्कोरकार्ड निरस्त होंगे। इसके बाद बिना ग्रेस मार्क्स के स्कोर कार्ड जारी किए जाएंगे।

एनटीए की कमेटी ने सुझाए हैं प्रस्ताव

याचिकाकर्ताओं ने नीट परीक्षा में 1563 कैंडिडेट्स को दिए गए ग्रेस मार्क्स पर आपत्ति जताई थी। एनटीए ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने 10, 11 और 12 जून को बैठक की। कमेटी ने सुझाव दिया है कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के स्कोरकार्ड निरस्त किए जाने चाहिए और इनके लिए दोबारा परीक्षा कराई जानी चाहिए। इन स्टूडेंट्स को उनके बगैर ग्रेस मार्क्स वाले ओरिजिनल स्कोर भी बताए जाने चाहिए।

एग्जाम में गड़बड़ी की शिकायत पर कई राज्यों के हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दायर की गई हैं। ऐसे में जहां भी ग्रेस मार्क्स को लेकर याचिका लगाई गई है वहां सुप्रीम कोर्ट का

आदेश ही लागू होगा।

खड़गे बोले- नीट घोटाले की जांच हो

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नीट परीक्षा में केवल ग्रेस मार्क्स की समस्या नहीं थी।

इसमें धांधली, पेपर लीक और भ्रष्टाचार हुआ है। परीक्षा में बैठे 24 लाख छात्र-छात्राओं का भविष्य मोदी सरकार के कारनामों से दांव पर लग गया है।

परीक्षा केंद्र और कोचिंग सेंटर का एक नेक्सस बन चुका है, जिसमें पैसे दो-पेपर लो का खेल खेला जा रहा है। पिछले दस साल में मोदी सरकार ने पेपर लीक और धांधली से करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है।

शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- पेपर लीक के कोई सबूत नहीं

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एनटीए पर भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं।

यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके निर्णय का पालन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।

काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है सुप्रीम कोर्ट

इससे पहले 11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था। कैंडिडेट्स ने बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की थी और परीक्षा रद्द कर एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और एनटीए को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने नीट यूजी 2024 में पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग सहित अन्य गड़बड़ियों पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस ए. अमानुल्लाह की पीठ ने कहा था कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, हमें जवाब चाहिए। नोटिस में बेंच ने केंद्र और परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए से 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से 6 की मौत, कई लापता

पर्यटन स्थलों पर 2 हजार से ज्यादा लोग फंसे; 12 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में हीटवेव का दौर जारी है। गुरुवार (13 जून) को उत्तर प्रदेश और बिहार के कई इलाकों में हीटवेव चली। यहां तापमान 46 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। मानसून में देरी के चलते आने वाले कुछ दिन गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

गुरुवार को बिहार का बक्सर 47.2 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कई जगहों पर तापमान 44 से 47 डिग्री दर्ज किया गया। आईएमडी के मुताबिक 1 मार्च से 9 जून के बीच ओडिशा में सबसे ज्यादा 27 दिन हीटवेव चली है। पश्चिमी राजस्थान में 23 दिन, पश्चिम बंगाल में 21 दिन, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 20 दिन, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 19 दिन और गुजरात और पूर्वी राजस्थान में 17 दिन हीटवेव चली है। शुक्रवार (14 जून) को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड के कई हिस्सों में, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू

डिवीजन के कुछ हिस्सों और पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में लू चलने का अनुमान है।

वहीं पिछले तीन दिन से जारी भारी बारिश के चलते उत्तरी सिक्किम के कई इलाके बुरी तरह तबाह हो गए हैं। भूस्खलन और बाढ़ में सैकड़ों घर और कई सड़कें बह गई हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा तबाही मंगन जिले में हुई है।

यहां एक दिन में 220 मिमी से ज्यादा बारिश होने से पिछले साल 4 अक्टूबर को आई भीषण बाढ़ के बाद बना संगकालांग पुल भी गुरुवार दोपहर में ढह गया। इससे दजोंगू, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग से संपर्क टूट गया है। इन इलाकों में अब न फोन कनेक्टिविटी है और न ही रोड। बिजली पोल भी बह गए हैं।

दक्षिण सिक्किम में तीस्ता नदी उफान पर

सिक्किम में राहत-बचाव में जुटे डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने बताया कि पर्यटन स्थल लाचुंग और चुंगथांग में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे हैं। इन्हें अब हेलिकॉप्टर से ही रेस्क्यू कर सकते हैं, लेकिन हेलिकॉप्टर का फिलहाल उड़ पाना मुमकिन नहीं है।

उधर, दक्षिण सिक्किम में तीस्ता नदी उफान पर है, इससे कई घर बह चुके हैं। पिछले साल उत्तरी सिक्किम में एक हिमनद झील के फटने से अचानक आई बाढ़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

उत्तराखंड : जगंल की आग बुझाने गये चार कर्मी जिंदा जले, चार झुलसे

नैनीताल। उत्तराखंड के अल्मोड़ा स्थित बिनसर वन्य जीव अभ्यारण्य में गुरुवार को भड़की भीषण वनाग्नि में चार लोग जिंदा जल गये जबकि चार गंभीर रूप से झुलस गये हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विनसर वन्य जीव अभ्यारण्य में आज दोहपर में भीषण आग भड़क गयी। वन विभाग को वनाग्नि की सूचना मिली तो मौके पर वनकर्मियों की एक टीम को रवाना किया गया। बताया जा रहा है कि टीम में चालक समेत आठ लोग शामिल थे। पता चला है कि जब ये लोग आग बुझाने लगे तो आग ने भयावह रूप ले लिया और चार लोग आग में जिंदा जल गये। उनकी मौके पर ही मौत हो गयी

जबकि शेष चार अन्य झुलस गये। मृतकों में वन बीट अधिकारी त्रिलोक सिंह मेहता, दीवान राम दैनिक वेतन कर्मी, करन आर्य फायर वाचर और पूरन सिंह पीआरडी जवान शामिल हैं जबकि फायर वाचर कृष्ण कुमार, कुंदन सिंह नेगी पीआरडी जवान, भगवंत सिंह भाज वाहन चालक और कैलाश भट्ट दैनिक श्रमिक झुलस गये। इस घटना की खबर मिलते ही वन महकमे में हड़कंप मच गया। तत्काल मौके पर उच्चाधिकारी और पुलिस के जवान पहुंचे और घायलों को अल्मोड़ा अस्पताल लाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और घटना में झुलसे वन कर्मियों को तत्काल एयर लिफ्ट कर हल्द्वानी अस्पताल में भर्ती कराने के निर्देश दिये हैं। दूसरी ओर वन विभाग की ओर से मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख रुपये सहायता राशि के रूप में देने की घोषणा की गयी है।

हिमाचल का दिल्ली को पानी देने से इनकार

एक दिन पहले हामी भरी थी; सुप्रीम कोर्ट बोला- यमुना जल बंटवारे का मुद्दा जटिल, हमारे पास एक्सपर्टीज नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट को लेकर गुरुवार (13 जून) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश ने कोर्ट को बताया कि हमारे पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है।

जबकि एक दिन पहले (12 जून को) हिमाचल ने कहा था कि हमारी तरफ से पानी छोड़ा गया है। हरियाणा की तरफ से पानी सप्लाई किया जाना बाकी है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना के पानी का बंटवारा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है।

हमारे पास दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच जल-बंटवारे के फॉर्मूले पर फैसला लेने की

टेक्निकल एक्सपर्टीज नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर बोर्ड ने पहले ही दिल्ली को मानवीय आधार पर पानी की आपूर्ति के लिए आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। अगर दिल्ली सरकार ने एप्लिकेशन नहीं दी है तो आज शाम 5 बजे तक दे दें।

कोर्ट ने यमुना रिवर बोर्ड को शुक्रवार (14 जून) को एक बैठक बुलाकर दिल्ली सरकार के एप्लिकेशन पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अगर जरूरत हो तो रोज बैठक कीजिए।

दिल्ली सरकार ने 3 राज्यों से एक्स्ट्रा पानी देने की मांग की थी

दरअसल, दिल्ली की आप सरकार ने जल सकंट को लेकर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

हिमाचल प्रदेश एक्स्ट्रा पानी देने के लिए तैयार था। कोर्ट ने 6 जून को हिमाचल को 137 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार ने कहा था कि यह पानी हमारे यहां अभी नहीं पहुंचा।

पेमा खांडू तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने

चाउना मीन फिर डिप्टी सीएम; 10 मंत्रियों ने भी शपथ ली

ईटानगर। पेमा खांडू गुरुवार 13 जून को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद चाउना मीन ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। उनके अलावा बियुराम वाघा, न्यातो दुकम, गणरील डेनवांग वांगसू, वानकी लोवांग, पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग ने मंत्री पद की शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेशन सेंटर में हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा मौजूद रहे। बुधवार 12 जून को ईटानगर में हुई बैठक में खांडू को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मीटिंग में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ शामिल थे। इसके बाद खांडू सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल केटी परनायक से मिले थे। पेमा खांडू 2016 से अरुणाचल के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने नबाम तुकी के इस्तीफे के बाद पहली बार पदभार संभाला था। जब खांडू पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, तब वे कांग्रेस के साथ थे। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान वे भाजपा में शामिल हो गए। पेमा खांडू के पिता दोरजी खांडू भी अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में बहस पुरी, फैसला सुरक्षित

एजेंसी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में आज यहां बहस पूरी हो गई।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की एकल खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया है ईडी की ओर से जमानत का विरोध किया गया। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि बड़गाई लैंड स्कैम में हेमंत सोरेन शामिल थे। इससे जुड़े तमाम साक्ष्यों का ईडी के अधिवक्ता ने जिक्र किया। इससे पहले 10 जून को न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हेमंत सोरेन को नियमित जमानत देने के लिए दलील पेश की थी। उन्होंने पक्ष रखते हुए कहा था कि बड़गाई की जिस 8.86 एकड़ जमीन मामले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया है, वह जमीन भुईंहरी है ।उसका ट्रांसफर नहीं हो सकता है। यह सिविल मामला है इसलिए हेमंत सोरेन को जमानत दी जानी चाहिए।

रियासी बस हमले के 50 संदिग्ध हिरासत में

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर नौ जून को हुए आतंकवादी हमले के सिलसिले में पुलिस ने 50 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि कांडा इलाके में गहन पुलिस जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके अधार पर संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जांच से उन लोगों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिली है, जो हमले की साजिश रचने में संभावित रूप से शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने गहन जांच के बाद छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए दूर-दराज के सुदूर इलाकों में अपनी तलाशी बढ़ा दी है। ज्ञातव्य है कि बस पर हमला पौनी के कांडा इलाके में हुआ था, जिसमें 10 लोग मारे गये थे और 33 घायल हुए थे। प्रवक्ता ने कहा, व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए अरनास और माहोर के दूर-दराज के इलाकों तक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों का उद्देश्य और सबूतों को उजागर करना तथा उन आतंकवादियों को पकड़ना है जो इन दूरदराज के इलाकों में छिपे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने और क्षेत्र के सभी निवासियों तथा आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आग का कहर — **इनमें 23 केरल, 7 तमिलनाडु, 3 यूपी के, शव लाए जी रहे भारत**

आग का कहर : कुवैत के मंगाफ की आग में 45 भारतीयों की मौत

मंगाफ। कुवैत के मंगाफ शहर की इमारत में बुधवार को लगी आग में 49 लोगों की मौत हुई है, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 48 शवों की डीएनए टेस्ट के जरिए पहचान हो गई है, जिसमें 45 भारतीय हैं जबकि 3 फलीपींस के हैं।

जान गंवाने वाले 45 भारतीयों में से सबसे ज्यादा 23 मृतक केरल के हैं। इसके बाद 7 मृतक तमिलनाडु के, 3 आंध्र प्रदेश, 3 उत्तर प्रदेश और 1-1 मृतक बिहार, ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम बंगाल के हैं। एक भारतीय मृतक किस राज्य का है, यह सामने नहीं आया है।

शवों को भारत लाने के लिए गुरुवार रात को सी-130जे एयरक्राफ्ट कुवैत भेजा गया है, जो शुक्रवार को शवों को लेकर लौटेगा। यह सबसे पहले कोच्चि लैंड करेगा क्योंकि मृतकों में सबसे ज्यादा केरल के निवासी हैं। इसके बाद एयरक्राफ्ट दिल्ली आएगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

कुवैत के समयानुसार यह हादसा बुधवार सुबह करीब 4: 30 बजे हुआ। कुवैती फायर फोर्स के मुताबिक यह आग इलेक्ट्रिकल सर्किट के चलते लगी थी। उस वक्त सभी कामगार सो रहे थे।

आग लगने की वजह से मची भगदड़ के बीच कई लोगों ने घबराकर बिल्डिंग की खिड़कियों से छलांग लगा दी। कई लोग इमारत के अंदर ही फंसे रह गए और धुएं में दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

झारखंड के मोहम्मद अली हुसैन 18 दिन पहले कुवैत गए थे

झारखंड के रांची के रहने वाले 24 साल के मोहम्मद अली हुसैन 18 दिन पहले ही कुवैत गए थे, जहां इस हादसे में उनकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के तीन मृतकों की पहचान वाराणसी के प्रवीण माधव सिंह और गोरखपुर के जयराम गुप्ता और अंगद गुप्ता के तौर पर हुई है। वहीं आंध्र प्रदेश के मृतकों की पहचान श्रीकाकुलम जिले के टी लोकानंदम, पश्चिम गोदावरी के एम सत्यानारायण और एम ईश्वारुडु के तौर पर हुई है।

संपादकीय

सामाजिक न्याय और मंडल कमीशन : एक ऐतिहासिक मोड़

जिनके हक में थी सिफारिशें, मंडल की आवाज,
सामाजिक न्याय का पथ, अब भी है लंबा राज।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

मंडल कमीशन और उसकी सिफारिशें भारतीय समाज और राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुईं। यह कमीशन न केवल सामाजिक न्याय की अवधारणा को स्पष्ट करता है, बल्कि भारतीय समाज में समानता और समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी था। इस संपादकीय में हम मंडल कमीशन की पृष्ठभूमि, उसकी सिफारिशों और उनके सामाजिक प्रभावों पर गहन चर्चा करेंगे।

मंडल कमीशन की पृष्ठभूमि

1979 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित मंडल कमीशन का उद्देश्य भारतीय समाज में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की पहचान करना और उन्हें सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से उन्नत करने के उपाय सुझाना था। बी.पी. मंडल की अध्यक्षता में इस कमीशन ने 1980 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई।

सिफारिशें और उनका प्रभाव

1. आरक्षण की सिफारिशें

– मंडल कमीशन ने सिफारिश की कि सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में ओबीसी के लिए 27त्न आरक्षण दिया जाए।
– इसका उद्देश्य सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करना और वंचित समुदायों को मुख्यधारा में लाना था।

2. सामाजिक प्रतिक्रिया

– 1990 में, प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने इन सिफारिशों को लागू करने का साहसिक निर्णय लिया।
– इस निर्णय से देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, खासकर सवर्ण जातियों के छात्रों और युवाओं के बीच।
– यह विरोध कभी-कभी हिंसक हो गया और कई छात्रों ने आत्मदाह तक किया।

सामाजिक न्याय की दिशा में एक कदम

मंडल कमीशन की सिफारिशों ने सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इसने न केवल ओबीसी समुदायों को आरक्षण का लाभ दिया, बल्कि उन्हें समाज में समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार भी प्रदान किया।
सिफारिशें मंडल की, न्याय की पुकार,
सभी को मिले अवसर, यही हो हमारा विचार।

राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव

मंडल कमीशन की सिफारिशों ने भारतीय राजनीति में गहरे प्रभाव डाले। कई क्षेत्रीय दल, जिन्होंने ओबीसी और अन्य पिछड़े वर्गों का समर्थन किया, मजबूत हुए और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे। इसने सामाजिक संरचना में भी परिवर्तन लाया, जिससे वंचित समुदायों को अधिक अवसर प्राप्त हुए।

चुनौतियाँ और विवाद

मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करने के बावजूद, सामाजिक न्याय की दिशा में कई चुनौतियाँ बनी रहीं। आरक्षण को लेकर विभिन्न वर्गों के बीच विवाद और असंतोष आज भी जारी है। कुछ लोग इसे योग्यता और समान अवसर के सिद्धांत के खिलाफ मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक असमानता को दूर करने का माध्यम मानते हैं।

निष्कर्ष

मंडल कमीशन और उसकी सिफारिशें भारतीय समाज में सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थीं। हालांकि, इस दिशा में अभी भी कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सतत प्रयास की आवश्यकता है। सामाजिक न्याय का मार्ग लंबा है, लेकिन मंडल कमीशन ने इस मार्ग पर चलने की शुरुआत की, जो भारतीय समाज को एक समावेशी और समानता आधारित भविष्य की ओर ले जाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।
सामाजिक न्याय की राह में, बढ़ते रहना है हमें,
मंडल की सिफारिशें, दिखाती हैं दिशा हमें।
मंडल कमीशन का यह अध्याय हमें याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि एक निरंतर प्रक्रिया है। यह वह राह है जिस पर हमें लगातार चलना होगा, ताकि हर व्यक्ति को समाज में समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिल सके।

नीट में धांधली के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

चिकित्सा पाठ्यक्रमों के दाखिले में धांधली की शिकायतें पुरानी हैं। उन शिकायतों को दूर करने के मकसद से ही एनटीए के माध्यम से प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

चिकित्सा विज्ञान के स्नातक पाठ्यक्रम के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा यानी नीट में धांधली के आरोपों को सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया है। उसने राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए से इस मामले से जुड़े सवालों का जवाब देने को कहा है। दरअसल, इस बार की नीट परीक्षा के नतीजों में कई तरह की विसंगतियां देखी गई हैं। जब परीक्षा ली गई, तब बिहार और राजस्थान के कुछ केंद्रों पर गलत पर्चे बांट दिए गए थे। बाद में उन्हें दुरुस्त कर दिया गया।

नतीजे तय समय से दस दिन पहले घोषित होना भी संदेह बढ़ाता है तब विद्यार्थियों ने आरोप लगाया था कि पर्चाफोड़ हुआ है, परीक्षा रद्द कर दुबारा कराई जानी चाहिए। लेकिन एनटीए ने इससे इनकार कर दिया। उसका कहना है कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से गलत पर्चा बंट गया था। फिर नतीजे तय तिथि से दस दिन पहले ही घोषित कर दिए गए। नतीजों में सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे सात सौ बीस अंक मिले हैं। यह पहली बार हुआ है। एनटीए का कहना है कि जिन विद्यार्थियों को देर से पर्चे मिले, उन्हें समय की हानि होने के चलते कृपांक दिए गए। उसका क्या आधार है, यह भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि एनटीए अब भी अपनी बात पर कायम है कि पर्चाफोड़ नहीं हुआ और न गलत तरीके से किसी विद्यार्थी को अंक दिए गए। परीक्षा में पूरी तरह पारदर्शिता और शुचिता बरती गई है। उसका यह तर्क सर्वोच्च न्यायालय के सामने सही ठहर पाता है या नहीं, देखने की बात है। एनटीए ने कृपांक की शिकायतों के समाधान के लिए एक जांच समिति गठित कर दी है, लेकिन उस पर विद्यार्थियों को भरोसा नहीं है।

संतानों के दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

- ललित गर्ग -

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बढ़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को 'एकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती है'। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम 'सभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देना' है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या है? वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है।

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्राय: जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूढ़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक परिस्थितियां काम करती हैं। वृद्धजन अव्यवस्था के बोझ और शारीरिक अक्षमता के दौर में अपने अकेलेपन से जूझना चाहते हैं पर इनकी सक्रियता का स्वागत समाज या परिवार नहीं करता और न करना चाहता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3212

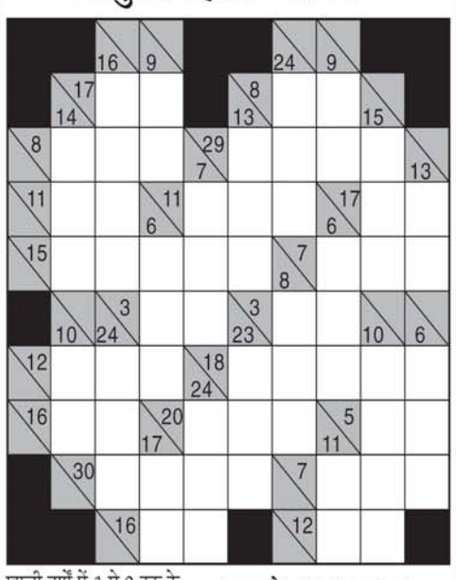

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3211 का हल

लॉफिंग जौन्स

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।
सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?
चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छ: माह का ही है।

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?
नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।
महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।
वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

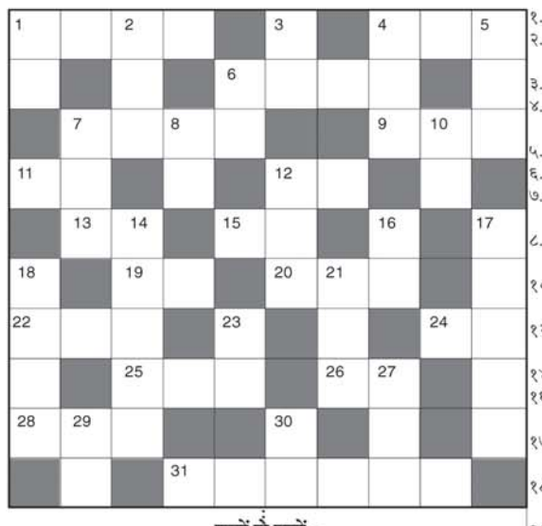

फिल्म वर्ग पहेली- 3212

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3211

सूडोकु -3212

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3211 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3212

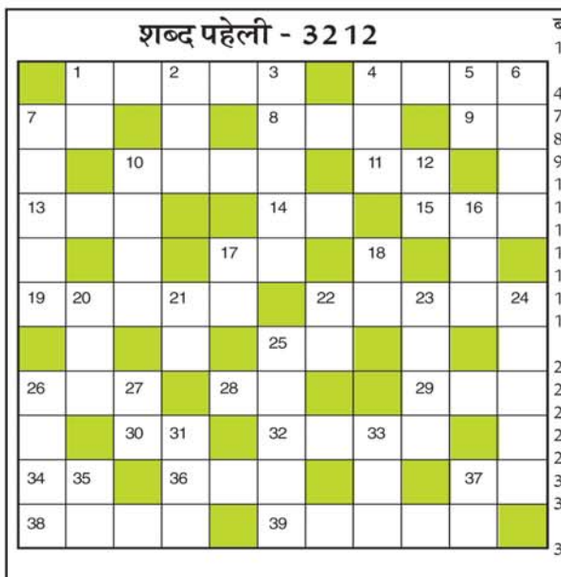

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3211 का हल

पुलिस ने 4 करोड़ का गांजा पकड़ा

3 तस्करों को किया गिरफ्तार, उड़ीसा-आंध्र से लाते थे गांजा

नोएडा। नोएडा में स्वाट और थाना सेक्टर-58 पुलिस ने 3 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 800 किलो गांजा बरामद किया गया है। इसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। ये गांजा 16 बोरे में भरा गया था।

इसके अलावा 2 हजार लीटर पेस्टिसाइड्स बरामद किया गया। जिसकी कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान सुदामा, अनीश और प्रवीण के रूप में हुई है।

डीसीपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि इस गैंग का सरगना सुदामा चौधरी है। सुदामा पहले भी इसी तरह के अपराध में जेल जा चुका है। वो दो महीने पहले ही जेल छूटा है। जेल से छूटने के बाद बिहार गया और दूसरा संगठन बनाकर फिर से गांजा तस्करी करने लगा।

इस बार ये पेस्टिसाइड्स जैसी दवाओं को ढोने वाली गाड़ियों के जरिए गांजा छिपाकर जगह-जगह

सप्लाई करता है। जिससे जल्दी से कोई पकड़ नहीं पाता है।

उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से लाया जाता है गांजा

पूछताछ में सुदामा ने बताया कि ये गांजा आंध्र प्रदेश और उड़ीसा से लाया जाता है। इसकी मादकता को बढ़ाने के लिए इसे कई महीनों तक सुखाकर दबाकर चिप्पड़ के रूप में विकसित करने के बाद बाजार में बेचने के लिए लाया जाता है। इनकी पत्तियों को सुखाकर बार बार उलट पलट कर रासायनिक परिवर्तन कर इसे बनाया जाता है। इस तरह के गांजा की मांग बहुत ज्यादा है। इसी कारण बाजार में इसकी कीमत 40 हजार रुपए किलो है।

मुखबिरी होने के डर से पुराने गैंग से तोड़ा नाता

सुदामा ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि जेल जाने के बाद इसने पुराने गैंग से नाता तोड़ दिया उनके साथ काम करना बंद कर दिया। क्योंकि इनको यह आशंका होता है कि गैंग के सदस्यों के द्वारा इनकी मुखबिरी हो सकती है। इसलिए जेल से निकलने पर इसने अपना नया गैंग बनाया। और खेती में प्रयोग होने वाले पेस्टिसाइड्स और कपड़ों को ले जाने वाले ट्रक के बीच में अपना मॉल रखकर दूसरे प्रदेश पहुंचाते है।

ट्रक के आगे चलती थी गाड़ी पुलिस के लिए 'मामा' कोड

जिस ट्रक से मॉल जाता था। उसके एक किलोमीटर आगे एक कार चलती थी। जिसमें बैठे लोग 1 किलोमीटर तक की पूरी जानकारी ट्रक में बैठे अपने आदमी को देते थे। ये लोग हमेशा वाट्सऐप कालिंग करते थे। ताकि फोन कॉल को ट्रैक न किया जा सके। पुलिस की जानकारी मिलते ही ये लोग कोड मामा का प्रयोग करते थे। जिससे ट्रक ड्राइवर समझ जाता था। और एक किलोमीटर पहले ही ट्रक को झाड़ियों या लिंक रोड पर खड़ा कर खराब होने का बहाना बनाकर उसके नीचे लेट जाते थे।

मोटो जीपी का आयोजन करने वाली कंपनी में मिली कई गड़बड़ियां

ग्रेटर नोएडा। बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट में मोटो जीपी रेस आयोजित करने वाली कंपनी फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स की अनियमितताओं की जांच कर रही यमुना प्राधिकरणकी टीम ने कंपनी पर लगे सभी आरोप सही पाए हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार कंपनी गैर सूचीबद्ध है। इसकी अधिकृत शेयर पूंजी 10 लाख तथा प्रदत्त पूंजी मात्र 1.27 लाख रुपये है। कंपनी पर वेंडरों की देयता और रेस के लिए किए गए कार्यों की लागत में असमानता मिली है। इसकी पूरी रिपोर्ट 16 जून को शासनस्तर पर प्रस्तावित बैठक में भी पेश की जाएगी। यीडा के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा है कि कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की गई है। यीडा की रिपोर्ट में बताया गया है कि 12 मई 2022 को रजिस्टर्ड फर्म गैर सूचीबद्ध है। कंपनी को इस तरह के आयोजन का कोई अनुभव नहीं था। यही कारण है कि कंपनी ने इन्वेस्ट यूपी के साथ अनुबंध किया। कंपनी ने स्पेन की डोरा कंपनी को लाइसेंस शुल्क का 120 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। इस संबंध में डोरा कंपनी को बताया गया कि यह पैसा प्रदेश सरकार से दिलाया जाएगा। वहीं कंपनी ने 15 फरवरी 2023 को दिए अपने पत्र में कुल व्यय 42.33 करोड़ रुपये दिखाया है। जबकि वेंडरवार अंतिम राशि 41.09 करोड़ तथा पत्र के साथ संलग्न टैक्स इनवाइस के अनुसार यह राशि 39.871 करोड़ है। आयोजन में ट्रैक खर्च व निवेशक सम्मेलन पर 45.06 करोड़ व्यय दिखाया है। इससे मोटो जीपी रेस के दौरान काम और भुगतान में असमानता दर्ज किया गया है। कंपनी ने कार्यों और भुगतान से संबंधित कोई विस्तृत विवरण भी जमा नहीं किया है। इससे पहले प्राधिकरण की टीम ने बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में मोटो जीपी के लिए हुए विकास कार्यों का भौतिक निरीक्षण भी किया था।

अहम है कि जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने जांच की मांग के लिए मुख्य सचिव और यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखा था। प्राधिकरण की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में 11 वेंडरों के 37 करोड़ रुपये बकाया होने का खुलासा किया गया था।

डिवाइडर पर चढ़ी कार, चालक की मौत

नोएडा। नोएडा थाना फेस-3 क्षेत्र में एक वैगनआर कार बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। कार के बेकाबू होने की वजह तेज रफ्तार बताया जा रहा है। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन इलाज के दौरान ही एक की मौत हो गई। वहीं एक कै अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि वैगनआर कार सेक्टर-71 के सामने की रोड पर जा रही थी। अचानक कार का संतुलन बिगड़ा और वो सीधे डिवाइडर पर चढ़ गई। कार की रफ्तार काफी तेज थी। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। कार को कमल दीक्षित पुत्र राजकुमार दीक्षित

चला रहा था, जोकि नोएडा गढ़ी चौखंडी का रहने वाला था। वहीं बगल वाली सीट पर हर्ष चतुर्वेदी पुत्र बृजेश चतुर्वेदी बैठा था। जोकि ग्वालियर का रहने वाला है। इलाज के दौरान कमल दीक्षित की मौत हो गई। वहीं हर्ष चतुर्वेदी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कार की स्पीड 100 किमी प्रतिघंटा या उससे ज्यादा ही रही होगी।

18 साल के युवक ने की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र में बुधवार की रात मानसिक रूप से परेशान रवि सेन (18) ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, मूलरूप से हरदोई का रहने वाला रवि सेन ग्रेटर नोएडा में निजी कंपनी में काम करता था। वह सूरजपुर में ज्ञानदीप स्कूल के पास अपनी मां, चचेरे भाई, भाभी, बुआ आदि अन्य परिजनों के साथ रहता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुधवार को रवि सेन ने सबके साथ खाना खाया। उस समय तक किसी को कुछ अंदाजा नहीं था कि वह ऐसा कदम उठा सकता है। खाना खाने के बाद रवि नीचे अपने कमरे में आ गया। बृहस्पतिवार को जब परिवार के अन्य लोग सुबह उठे तो रवि के कमरे में पंखे से उसका शव लटकते देखा। पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि रवि काफी समय से नौकरी और व्यक्तिगत कारणों से परेशान चल रहा था।

7 गांजा तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

24 किलो गांजा और बोलेरो गाड़ी बरामद, ढाई लाख के करीब है कीमत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने शातिर गांजा तस्करों के गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस दौरान सात तस्करों को गिरफ्तार किया है और इन लोगों के कब्जे से करीब साढे 24 किलो गांजा बरामद किया है। इस गांजे की कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई जा रही है।

बीटा 2 पुलिस के द्वारा डोमिनोस गोल चक्कर के पास चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक बोलेरो गाड़ी पुलिस को दिखाई दी, जब पुलिस ने उसे चेकिंग के लिए रोका और उसकी तलाशी ली तो उसमें से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

इस दौरान गाड़ी से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 24 किलो 500 ग्राम गांजा, 2 पिस्टल मय 4 जिंदा कारतूस 32 बोर, 2 तमंचे मय 4 जिंदा कारतूस, 315 बोर और गांजा तस्करी में प्रयुक्त बुलेरो गाड़ी बरामद की गई।

पुड़ियों में भरकर करते थे सप्लाई

ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी शातिर किस्म के गांजा तस्कर हैं।

इनके गिरोह का सरगना जयप्रकाश है और किशनपाल, वीरेन्द्र सिह पाला, लालू उर्फ राम नारायन, गोपाल, निखिल शर्मा, हरदम उर्फ पिल्ली इस गिरोह के सदस्य हैं। यह लोग बिहार राज्य से पकड़ी गई बोलेरो कार से सस्ते दामों में गांजा खरीदकर उसे पुड़ियों में भरकर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में पीजी, कॉलेजों, चौराहों के आसपास घूम-फिर कर ऊंचे दामों में बेचकर अवैध धन अर्जित करते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य सदस्यों की भी तलाश कर रही है।

ट्रेडिंग में मुनाफा दिखाकर ठगने वाले दो गिरफ्तार

वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़कर करते थे फ्रॉड, 9 करोड़ की ठगी में शामिल थे

नोएडा। नोएडा में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग में ठगी करने वाले गैंग के दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वॉट्सऐप ग्रुप में लोगों को ऐड करके शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम पर लगभग 09 करोड़ रुपयों की ठगी है। इनकी पहचान अकरम उर्फ सैम उर्फ लौकी के रूप में हुई है। जोकि खाता प्रयोग कर्ता हैं। जबकि दूसरा सुशील कुमार खाता धारक है। जिसे रेलवे पुल के नीचे, सूरजपुर कसना रोड ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया है। ये लोग 26 से ज्यादा लोगों से फ्रॉड कर चुके हैं। दरअसल 31 मई को सेक्टर-40 निवासी द्वारा स्वयं के साथ साइबर

ठगी होने के संबंध में थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें ठगों ने पीड़ित को वॉट्सऐप ग्रुप में ऐड करके शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे के नाम पर लगभग 09 करोड़ रुपयों की ठगी की थी। जांच-पड़ताल के बाद इन दोनों ठगों के नाम सामने आए थे।

बैंक खाता देने पर मिलता था 1 प्रतिशत

पुलिस पूछताछ में अकरम ने बताया कि मैंने ऑनलाइन जॉब सर्च करना शुरू किया। उस दौरान मेरा संपर्क शान से हुआ। शान मुझे वॉट्सऐप के जरिए वाइस कॉल और चैट करता था।

साथ ही मेरी कंपनी में आता-जाता रहता था। मैं इसके साथ सिलाई-कढ़ाई का व्यापार भी करता था। इसी के साथ मेरी पहचान सुशील श्रीवास्तव से हुई। जिसने मुझसे कहा कि अपना बैंक खाता मुझे दे दो। उसमे कुछ गेमिंग प्लेटफार्म का पैसा आयेगा। जिसका 1 प्रतिशत आपको प्राप्त होगा।

क्रिप्टोकरेंसी में आता था कमिशन

मैने अपने कुछ बैंक खाते की यूजरआईडी पासवर्ड/लॉगिन आईडी पासवर्ड सुशील को बताए। ट्रांजैक्शन के दौरान आये सभी ओटीपी ऐप के माध्यम से शान को भेजे। शान से एक बैंक खाते के एवज मे मुझे 2 लाख रुपए मिलते थे।

इस प्रकार मुझे लाखों रुपए क्रिप्टोकरेंसी के रूप में कमीशन के शान ने दिये। यह कमीशन मुझे सी-98, कुजनी एप, बाइ नेस एप, मैक्स ऐप, ट्रस्ट वालेट, क्राइन डेस्क, बिट बीएनएस, क्रिप्टो कॉम आदि के माध्यम से प्राप्त हुआ।

पड़ोसी युवक ने युवती के साथ किया दुष्कर्म

मोदीनगर। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में घर में अकेली देखकर युवती के साथ पडोसी युवक ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म का विरोध करने पर युवती को मारपीट कर घायल कर दिया। मां को आता देखकर आरोपी मौके से धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

एक गांव निवासी एक महिला परिवार सहित रहती है। देर रात महिला दवाई लेने गांव के ही डॉक्टर के पास गई थी। घर पर उनकी 20 वर्षीय पुत्री अकेली रह गई। युवती को अकेली देखकर पडोसी युवक दीवार फांदकर घर के अंदर आ गया। आरोप है कि युवक युवती को जबरदस्ती कमरे के अंदर ले गए और दुष्कर्म किया। जब युवती ने दुष्कर्म का विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की।

युवती को इतना पीटा कि वह बदहवास हो गई। इसी बीच युवती को मां भी अपने घर आ गई। यह नजारा देखकर महिला ने आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन आरोपी पुलिस में शिकायत करने पर मां बेटी को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

नोएडा पुलिस मुठभेड़ में तीन गिरफ्तार, दो को लगी गोली

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर-39 पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो बदमाश को पैर में गोली लगी। एक बदमाश को कांबिंग के बाद गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश के पास से एक लाख रुपए बरामद किए गए है। तीनों बदमाशों का आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है। हाल ही में थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में इन बदमाशों ने लूट की दो वारदात को अंजाम दिया था।

एडसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-39 नोएडा पुलिस द्वारा सेक्टर-96 तिराहे पर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति को आता देख रुकने का इशारा किया गया। जिस पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति बिना रुके तेजी से सर्विस रोड पर हाजीपुर अंडर पास की तरफ भाग गये। पुलिस टीम द्वारा कंट्रोल रूम को अवगत कराते हुए बदमाशों का करीब 400 मीटर तक पीछा किया गया।

सर्विस रोड हाजीपुर अंडरपास की तरफ घेराबंदी करते हुए उन्हे रोकने का प्रयास किया गया। जिस पर बदमाशों द्वारा अपने आपको घिरता देख सिक्का मॉल के सामने सर्विस रोड पर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया।

पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ में की गयी जवाबी कार्रवाई में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश अरूण पुत्र गुड्डू उर्फ विदेश और गौरव पुत्र ब्रिजपाल पैर में गोली लगी। दोनों दिल्ली के रहने वाले है।

गाजियाबाद में नौकरानी ने रेप का आरोप लगाया

मोदीनगर। मोदीनगर की एक कॉलोनी में सोमवार रात को वेतन देने के लिए घर पर बुलाकर घेरलू सहायिका के साथ रेप करने का मामला सामने आया है। रेप का विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट उसका हाथ तोड़ दिया गया। महिला ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एक गांव निवासी एक महिला मोदीनगर की एक कॉलोनी में एक व्यक्ति के घर पर छह साल से घरेलू सहायिका का काम कर रही है। महिला का आरोप है कि सोमवार शाम जब उसने वेतन मांगा तो उसे रात को दस बजे के बाद बुलाया गया। रात साढ़े दस बजे के करीब महिला वेतन लेने के लिए पहुंची। आरोप है कि इस दौरान मकान मालिक ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। विरोध पर महिला से मारपीट की गई। आरोपी ने महिला से कहा कि तुम अपनी पुत्रवधु को भी बुला लाओ तो और पैसे दूंगा। महिला का आरोप है कि आरोपी के परिवार के सभी लोग आ गए और मेरे साथ जमकर मारपीट की। पिटाई से उसका हाथ भी टूट गया।

इंजीनिगर से 20 लाख रुपए की साइबर ठगी

ताइवान भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स का डर दिखाकर 48 घंटे तक किया डिजिटल अरेस्ट

नोएडा। ताइवान भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान होने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने बहु राष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर के साथ 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। आईबी और मुंबई पुलिस का अधिकारी बनकर जालसाज ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया। ठगी के दौरान जालसाज ने इंजीनियर को 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा।

डेटा सेंटर कंपनी में काम करते है इंजीनियर

नोएडा सेक्टर-44 निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पेशे से आईटी इंजीनियर हैं और एक एमएनसी में तैनाती है।

उनकी कंपनी नोएडा में डेटा सेंटर बनवा रही है, इसलिए वह यहीं परिवार के साथ डिफेंस ऐनक्लेव सोसाइटी में रह रहे हैं।

बीते आठ मई को शिकायतकर्ता के मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को फेडेक्स कंपनी का कर्मचारी बताते हुए कहा कि शिकायतकर्ता के आधार कार्ड का

इस्तेमाल कर एक पार्सल ताइवान भेजा जा रहा है। इसमें विदेशी मुद्रा और ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान होने के कारण इसे रोक लिया गया है और केस दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। पीड़ित ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई पार्सल ही नहीं भेजा है।

इस पर कथित कर्मचारी बनकर बात कर रहे जालसाज ने कहा कि आपको मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत करनी होगी नहीं तो कार्रवाई हो जाएगी।

फिर आगे कॉल कथित मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच में बताकर ट्रांसफर कर दी गई। आगे जिस जालसाज ने बात की, उसने वीडियो कॉलिंग ऐप डाउनलोड करवाया।

इसके बाद रविवार को लगातार यह जालसाज तरह-तरह के सवाल पूछकर पीड़ित को डराते रहे। रात को सोने तक नहीं दिया। न ही किसी से मोबाइल पर बात करने दी। पीड़ित को इस दौरान परिवार वालों से भी अलग रखा गया।

इसके बाद सोमवार को कुछ जालसाज वीडियो कॉल पर एसीपी बनकर जांच करने के लिए आए। इन जालसाज ने सभी बैंक अकाउंट की स्थिति ऑनलाइन देखी। आरबीआई वैरिफिकेशन के नाम पर बैंक अकाउंट में जमा 20 लाख रुपए एक अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिया।

क्रेडिट कार्ड से लोन लेने को कहा

रकम वापस करने की जगह जालसाज पीड़ित से और पैसे ट्रांसफर करने की मांग करते रहे। पीड़ित ने जब और रकम खाते में न होने की बात कही तो ठगों ने क्रेडिट कार्ड से लोन लेकर भुगतान करने को कहा।

इसके बाद शिकायतकर्ता को ठगी का अंदेशा हुआ और उसने जालसाज से रकम वापस करने के लिए कहा। इतना कहते ही जालसाज ने पीड़ित से पूरी तरह से संपर्क तोड़ लिया।

शार्ट न्यूज

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने प्रशासनिक आवश्यकतों के दृष्टिगत निम्नलिखित थाना प्रभारियों के किए स्थानतरण

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह द्वारा प्रशासनिक आवश्यकतों को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को निम्नलिखित थाना प्रभारियों के स्थानतरण कर दिए। जिनमें निरीक्षक विद्युत गोयल प्रभारी निरीक्षक थाना कासना से प्रभारी निरीक्षक थाना बीटा टु, निरीक्षक मुनेन्द्र सिंह पुलिस लाईन से प्रभारी निरीक्षक थाना दनकौर, निरीक्षक संजय कुमार प्रभारी निरीक्षक थाना दनकौर से प्रभारी निरीक्षक थाना जेवर, निरीक्षक अमित खारी प्रभारी निरीक्षक डायल-112 से प्रभारी निरीक्षक थाना जारचा, निरीक्षक विनोद कुमार प्रभारी निरीक्षक आईजीआरएस सैल से प्रभारी निरीक्षक थाना कासना, निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा प्रभारी निरीक्षक शिकायत प्रकोष्ठ से प्रभारी निरीक्षक थाना सेक्टर-113, उपनिरीक्षक राजकुमार थाना सेक्टर-142 से थानाध्यक्ष थाना फेस श्री प्रभारी बनाया गया है। जबकि निरीक्षक मनोज कुमार प्रभारी निरीक्षक थाना जेवर, निरीक्षक विजय कुमार प्रभारी निरीक्षक थाना फेस श्री, निरीक्षक सर्वेश कुमार प्रभारी निरीक्षक थाना सेक्टर-113, उपनिरीक्षक सुनील कुमार थानाध्यक्ष थाना जारचा से पुलिस लाईन में रिपोर्ट करेंगे।

गाजियाबाद में कमर्शियल सिलेंडर फटा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना कौशांबी के पैसिफिक मॉल के सामने रोड किनारे रखी दुकानों में से एक में कमर्शियल सिलेंडर फट गया। सिलेंडर क्यों फटा इसकी जांच की जा रही है। लेकिन सिलेंडर फटते ही भीषण आग लग गई। जो दो दुकानों में फैल गई। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। इस दौरान दो दुकानें जलकर राख हो गए। गाज़ियाबाद में दमकल विभाग के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया की फ़ायर स्टेशन वैशाली को पैसिफ़िक मॉल के सामने रोड के दूसरी तरफ़ मैट्रो पोल के पास लगी दुकान में सिलेण्डर फटने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन अधिकारी सहित 01 फायर टैंडर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग रोड के किनारे लगी दुकान (खोका) में लगी थी। आग की लपटे बहुत तेजी से फैल रही थी। फ़ायर यूनिट ने शीघ्रता से होज लाइन फैलाकर फ़ायर फ़ाइटिंग करना शुरू कर दिया और आग को पूर्ण रूप से शान्त किया। फायर यूनिट ने आस-पास के इलाके को त्वरित कार्यवाही करते हुए सुरक्षित बचा लिया गया। आग कमर्शियल सिलेण्डर के फटने से लगी थी इस आग में 02 दुकान (खोका) जल गये। इसमें गनीमत रही कि कोई जन हानि नहीं हुई।

यूपीएससी छात्रों के लिए नमो ट्रेन लगाएगी अधिक चक्कर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में नमो ट्रैन 16 जून रविवार को यूपीएससी परीक्षा के मद्देनजर सुबह 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक अपनी सेवाए देंगी। रोजाना यह ट्रेन सुबह 8: 00 बजे से चलती है लेकिन यूपीएससी की परीक्षा देने जा रहे हैं हजारों छात्रों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो और वह सहूलियत से परीक्षा स्थल पहुंच सके इसी वजह से सुबह 6 :00 से ट्रेन चलनी शुरू हो जाएगी। 16 जून रविवार को आयोजित होने वाली सिविल सर्विसेज परीक्षा के मद्देनजर दिल्ली-गाजियाबाद-आरआरटीएस कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन सेवाए प्रात: 08: 00 बजे के बजाय प्रात: 06: 00 बजे से आरंभ होगी। एनसीआरटीसी ने सिविल सर्विस परीक्षा के मेद्देनजर यह निर्णय लिया है। आरआरटीएस कॉरिडोर के आस-पास स्थित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देने के लिए आने वाले परीक्षार्थियों को आवागमन में सहूलियत रहे। वर्तमान में आरआरटीएस कॉरिडोर पर गाजियाबाद में साहिबाबाद से मोदी नगर नॉर्थ तक नमो भारत ट्रेनें संचालित हैं। नमो भारत के संचालित खंड के आसपास बड़ी संख्या में शैक्षणिक संस्थान हैं। जहां अक्सर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए बड़ी संख्या में परीक्षार्थी पहुंचते हैं। रविवार को सामान्यत ट्रेन सेवाए प्रात 8 बजे से रात्रि के 10: 00 बजे तक उपलब्ध रहती हैं पर 16 जून को नमो भारत ट्रेन सेवाए प्रात 6 बजे से रात्री के 10: 00 बजे तक उपलब्ध होंगी।

गाजियाबाद पुलिस की लुटेरे से मुठभेड़

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस कि ऐसे बदमाश के साथ मुठभेड़ हुई है, जो सिर्फ महिलाओं के साथ लूट किया करता था। सलमान नाम का यह बदमाश दिल्ली के सुंदर नगरी और दिल्ली बॉर्डर के पास गाजियाबाद के क्षेत्र में लूट की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक तीन दर्जन से अधिक वारदातों को सलमान अंजाम दे चुका है। यह सिर्फ महिलाओं को टारगेट करता था। महिलाओं के मंगलसूत्र, चेन और मोबाइल लूटकर फरार हो जाता था। गाजियाबाद में एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया की शालीमार गार्डन क्षेत्र में डीएवी स्कूल के पास चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति आता दिखाई दिया। जिसे रुकने का इशारा किया गया तो उसने मोटरसाइकिल को पीछे की तरफ मोड़कर तेजी से भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो आगे जाकर बाइक सवार की बाइक फिसल के गिर गई। पुलिस को पीछे आते थे बाइक सवार ने पुलिस पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में बदमाश को गोली लगी। घायल बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम सलमान निवासी सुंदरनगरी दिल्ली बताया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार बदमाश के ऊपर चोरी लूट और आर्म्स एक्ट के करीब तीन दर्जन मुकदमे कायम है। आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल पैसे तमंचे और कारतूस मिला है। पुलिस के मुताबिक यह सिर्फ महिलाओं को टारगेट करता था क्योंकि वह सॉफ्ट टारगेट होती है।

एसी में लगी आग फ्लैट में फैली

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौड़ सिटी वन की 6 एवेन्यू सोसाइटी के फ्लैट में बृहस्पतिवार को एसी में चिंगारी निकलने के बाद आग लग गई। आग तेजी से पूरे फ्लैट में फैल गई। घटना के समय फ्लैट के अंदर जुंबा क्लास चल रही थी। फ्लैट के अंदर से सभी लोगों को बाहर निकाला गया। सूचना पाकर मेंटेनेंस टीम भी मौके पर पहुंच गई और फायर सिस्टम से आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक फ्लैट में रखे लाखों रुपये के सामान जल गए। सोसाइटी के टावर-ई में आशुतोष अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका एक फ्लैट टावर-सी के ग्राउंड फ्लोर पर है। जहां उनकी पत्नी रेखा सोसाइटी की महिलाओं को जुंबा क्लास देती हैं। बृहस्पतिवार सुबह फ्लैट में जुंबा क्लास चल रही थी। सुबह करीब 10:15 बजे अचानक एसी से तेज आवाज के साथ चिंगारी निकली और आग लग गई। फ्लैट मालिक रेखा ने बताया कि थोड़ी ही देर में आग फ्लैट में फैल गई। आग बढ़ती देख सभी लोगों को बाहर निकाला गया। आग लगने के बाद फ्लैट के अंदर लगे स्प्रिंक्लर चालू हो गए। सूचना पर पहुंची मेंटेनेंस टीम ने फायर सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। आग में लाखों रुपये का सामान जल गया। वहीं, घटना के बाद से सोसाइटी निवासी एसी के प्रयोग को लेकर परेशान हैं। उनका कहना है कि गर्मी में ऐसी का प्रयोग करने से डर लग रहा है।

अब तक आधे बकायेदार बिल्डरों ने भी नहीं जमा कराई 25 प्रतिशत राशि

नोएडा। अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों के लागू होने के बाद अब तक आधे बिल्डरों ने भी कुल बकाये की 25 प्रतिशत रकम जमा नहीं कराई है। ऐसे में रजिस्ट्री के काम में और देरी की संभावना है। अब तक कुल 25 बिल्डरों ने बकाये की 25 प्रतिशत रकम जमा कराई है। इस रकम के आधार पर 2041 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो सकती है। अब तक इनमें से 866 रजिस्ट्री हो चुकी है। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक आजकल में तीन बिल्डरों ने पैसे जमा कराए हैं। इनमें सेक्टर-75 के एम्स प्रमोटर्स ने 14.19 करोड़ की रकम जमाई कराई है। इसके आधार पर 163 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो सकती है। इसी तरह से सेक्टर-107 के प्रतीक इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने 13.16 करोड़ जमा कराए हैं। यहां 39 फ्लैटों की रजिस्ट्री का रास्ता खुला। इसके अलावा सेक्टर-104 के एटीएस टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड ने कुल बकाये की 25 प्रतिशत रकम के तहत 11.10 करोड़ रुपए जमा कराए। यहां 53 फ्लैटों की रजिस्ट्री होगी। अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू हुए चार माह बीत चुके हैं।

कोतवाल पर रिश्वत लेने का आरोप, दलाल के माध्यम से हुई डील

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। कभी अंडर द टेबल ली जाने वाली रिश्वत का तरीका भी अब बदल गया है। भ्रष्ट अफसर अब रिश्वत की रकम दलालों के माध्यम से जबरन पीड़ित का शोषण कर उसके खून पसीने से कमाई हुई रकम को जबरन हड़प ले रहे हैं ।ऐसा ही मामला जनपद की कोतवाली महोली में घटित हुआ है।

कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने पुलिस अधीक्षक व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिख न्याय की गुहार लगाई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भुड़िया -कचूरा गांव की रहने वाली शीलू पत्नी प्रेम ने पुलिस अधीक्षक को दिये प्रार्थना पत्र में बताया की बीती 3 जून को सुबह आठ बजे प्रभारी निरीक्षक महोली उमाकान्त शुक्ला बिना वर्दी उसके घर घुस आये।

और गंदी-गंदी गालियां देते हुए जबरदस्ती उसके पति प्रेम को पकड़ कर अपने साथ कोतवाली ले गए इसके बाद शीलू भी कुछ देर बाद कोतवाली परिसर में पहुंची और अपने पति की गिरफ्तारी का कारण पूछने लगी तो प्रभारी निरीक्षक ने शीलू को गंदी-गंदी गालियां देते हुए कहा कि तुम्हे व तुम्हारे पति के विरुद्ध मुकदमा लिख देंगे।तुम दोनों जेल चले जाओगे नही तो पचास हजार रुपये की व्यवस्था करके दो। पीड़िता ने बताया कि जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक के कार्यालय में मौजूद पदुम सिंह नाम के युवक द्वारा पीड़िता को कार्यालय के बाहर जाने को कहा गया।

कुछ समय बाद कार्यालय से बाहर निकले पदुम ने महिला से कहा कि कही से रुपयो की व्यवस्था करो तभी तुम्हारे पति प्रेम को पुलिस छोडेगी। पीड़िता ने बताया की जिसके बाद वह ब्याज पर पैसे लेकर लगभग 9 बजे शाम को कोतवाली परिसर में पहुँची ।जहा पर मौजूद पदुम नाम के दलाल द्वारा उसे कोतवाल उमाकांत शुक्ला से कार्यालय में मिलवाया गया। पीड़िता ने बताया फिर उसे पदुम व कोतवाल द्वारा कार्यालय के पीछे नींबू के पेड़ के पास ले जाया गया ।जहा पर उससे पचास हजार रुपये की घूस ली गयी ।जिसके आधे घण्टे बाद उसके पति प्रेम को छोड़ा गया।

एसपी व मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

महोली।पीड़िता शीलू द्वारा पुलिस अधीक्षक सीतापुर व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिख मामले की जानकारी के विषय में अवगत कराते हुए न्याय की गुहार लगाई गई है। जिस संबंध में पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्रा द्वारा क्षेत्राधिकारी महोली को जांच सौपते हुए जांचों उपरांत आवश्यक विधिक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है।

चर्चा में है पदुम व कोतवाल महोली की जोड़ी

खास सूत्रों की माने तो कोतवाली महोली के अंदर दिनभर पदुम व उसके एक सहयोगी के द्वारा बैठकर दलाली की जाती है जो की प्रभारी निरीक्षक उमाकांत शुक्ला की सह पर होती हैं। नाम न छापने की शर्त पर खास सूत्र ने बताया कि पदुम नाम के युवक कहने पर आरक्षी व महिला आरक्षियों के हल्के (क्षेत्र) भी बदले जाते हैं। प्रदेश की योगी सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार भ्रष्टाचार निवारण टीम गठित कर घूसखोरों को जेल के अंदर भेजने का कार्य कर रही है लेकिन अभी भी कुछ तानाशाह अफसर व दलाल अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। अब देखना यह है कि क्या दलाल व संलिप्त अधिकारी के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई होगी या मामले को सरकारी दस्तावेजों में लीपापोती कर दफना दिया जायेगा?

शार्ट न्यूज

पुलिस ने किया पैदल मार्च

ललितपुर। पुलिस ने अपराध रोकने को लेकर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक मो0 मुस्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देश में क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस, महिला थानाध्यक्ष द्वारा सदर कोतवाली क्षेत्र में पैदल मार्च किया गया। पैदल गस्त के दौरान शान्ति व्यवस्था बनायें रखने के दृष्टिगत प्रमुख चौराहों, बजारो, व अन्य सार्वजनिक स्थानो पर व संदिग्ध व्यक्ति / वाहनों एवं शराब की दुकानों की चेकिंग की गयी । सदर क्षेत्राधिकारी अभय नारायण राय द्वारा दुकानदारों, व्यापारी बंधुओं से वार्ता कर अवैध अतिक्रमण न करने एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

गैंगस्टर का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

ललितपुर। जाखौरा पुलिस ने गुरुवार को गैंगेस्टर के आरोपी को धर दबोचा, पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना जखौरा पुलिस द्वारा थाना कोतवाली में पंजीकृत मु0अ0सं0 459/2024 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वाँछित चल रहे अभियुक्त निशान्त निगम उर्फ मुन्ना पुत्र महेन्द्र कुमार निगम उम्र करीब 41 वर्ष नि0 मसौराकलां थाना कोतवाली हाल पता मुहल्ला आजादपुरा थाना कोतवाली को मुहल्ला आजादपुरा से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायाल के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा हे0कां0 वीरेन्द्र दुबे कां0 अभिषेक कुमार कां0 विवेक राठौर आदि शामिल रहे।

अयोध्या में सिपाही की पत्नी ने किया सुसाइड

अयोध्या। रामजन्मभूमि की सुरक्षा में तैनात सिपाही की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। मकान मालिक ने कॉन्स्टेबल को फोन करके बताया कि बेल बजाने पर भी पत्नी दरवाजा नहीं खोल रही है। अंदर से आकर देख लें। आरोप है कि भूमि को मारकर लटका दिया गया। कांस्टेबल प्रशांत अवस्थी जो राम जन्मभूमि सुरक्षा तैनात हैं। उसका परिवार कोतवाली अयोध्या अंतर्गत नया घाट पुलिस चौकी पर रहता था। मकान मालिक रामशरण दुबे की ओर से दी गई सूचना पर तत्काल नया घाट से उप निरीक्षक अशोक कुमार और चीता मोबाइल द्वारा मौके पर जाकर देखा गया, तो कांस्टेबल प्रशांत की पत्नी ने फांसी लगा ली थी। पुलिस के अनुसार पति-पत्नी में पहले भी विवाद होते रहे हैं। यह बात मृतका भूमि अवस्थी(22 साल) के पिता ने बताई। बताया जा रहा कि इनमें तीन दिन से विवाद चल रहा था, जिसके कारण मेरी बेटी ने आत्महत्या कर ली।

बरेली में गर्मी से 3 दिन में 2 की मौत

बरेली। बरेली में गर्मी अपने चरम पर है। देहात क्षेत्र में पिछले 3 दिन से गर्मी से दो लोगों की मौत हो गई। मरने वाले किसान थे।। दोनों की मौत गर्मी यानी हीट वेव से होनी बताई जा रही है, लेकिन इस मामले में प्रशासन को कोई जानकारी नहीं दी गई है। तिगरी गांव के रहने वाले मोबी अली खान (55 साल) किसान थे। 11 जून की दोपहर को उनकी अचानक हालत बिगड़ गई, जहां उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उनके शव को बुधवार को दफनाया गया। वहीं बुधवार को इसी गांव के रहने वाले सज्जाद खान (52 साल) की गर्मी से हालत बिगड़ गई। सीने में दर्द होने के बाद उल्टियां होने लगी। जहां इनकी भी मौत हो गई। सज्जाद खान के शव को गुरुवार को गांव के ही कब्रिस्तान में दफनाया गया है। तिगरी गांव में 4 दिन से ट्रांसफार्मर फूंकने के कारण लोग परेशान हैं। गांव प्रधान तैयब अली ने बताया कि आज ही ट्रांसफार्मर लगवाया है।

जमीनी विवाद में सामूहिक नरसंहार की धमकी

कौशांबी। कौशांबी में संदीपन घाट थाना क्षेत्र के गांव की महिला ने डीएम दफ्तर मे शिकायती पत्र देकर परिवार पर नरसंहार होने का खतरा बताया है। महिला के मुताबिक, उसके परिवार के लोग पारिवारिक बंटवारे में मिली जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पूर्व में हुई पंडा चौराहे जैसी घटना को अंजाम देने की धमकी दे रहे हैं। डीएम ने घटना के आरोपियों के खिलाफ थाना पुलिस और तहसील के अधिकारियों को जांच कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। चायल तहसील के पिपरहटा गांव के रहने वाली आशा देवी पत्नी राजेंद्र कुमार छोटे किसान हैं। राजेंद्र कुमार को पिता मगलू प्रसाद की संपत्ति में बंटवारे के आधार पर जमीन मिली। जिस पर उसके परिवार के अन्य भाइयों ने कब्जा कर लिया। वह अपने हिस्से की जमीन पर निर्माण करा चुके हैं। इसके बाद अब राजेंद्र के हिस्से में जबरन दबंगाई से कब्जा कर रहे हैं।

पुलिस लाइन में युवक की लाश मिली

आजमगढ़। आजमगढ़ की पुलिस लाइन में संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। एक गाड़ी से यह शव बरामद हुआ है। पुलिस के आला अधिकारियों ने फील्ड यूनिट को निरीक्षण करने का निर्देश दिया। फील्ड यूनिट ने निरीक्षण करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस लाइन में शव बरामद होने के मामले को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हैं। हालांकि इस बारे में जिले के एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। डॉक्टरों के अनुसार मृतक की मौत सेप्टिसीमिया नामक बीमारी से हुई है। जांच की जा रही है। इस बारे में जिले के एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल ने बताया कि पुलिस लाइन से बरामद शव का पोस्टमॉर्टम करा लिया गया है। इसके साथ ही मौत के कारणों का पता चल चुका है।

मेरठ में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास

मेरठ। मेरठ के किठौर के एक गांव में घर के काम से जा रही दस साल की किशोरी के साथ गांव के ही युवक ने घर में खींचकर किया रेप का प्रयास। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। घटना बृहस्पतिवार दोपहर की है। कस्बा किठौर स्थित एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने बताया उसकी दस साल की बेटी बृहस्पतिवार दोपहर घर के काम से जा रही थी। तभी गांव का ही रहने वाला एक युवक किशोरी के पास पहुंचा और किशोरी का हाथ पकड़कर निकट ही मौजूद एक खाली पड़े घर में ले गया। किसी तरह किशोरी ने शोर मचा दिया। इसके बाद आरोपी किशोरी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। किशोरी द्वारा घटना के बारे में जानकारी मिलने पर पीड़ित किशोरी के परिवार वाले आरोपी के घर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। शोर सुनकर आरोपी के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए और आरोपी को छुड़ा कर भगा दिया। दोनों पक्षों में जमकर कहासुनी होने लगी।

मुरादाबाद में वाहन टकराने पर मर्डर

कार सवार युवकों ने दी थी गाली, बाइक सवार युवक ने तमंचा निकालकर गोली मारी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक वाहन टकराने को लेकर मामूली कहासुनी के बाद युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में ले लिया है। घटना मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में प्रभात मार्केट महबुल्लागंज मोहल्ले की है। कटघर थाना क्षेत्र में ही डबल फाटक वाल्मीकि बस्ती निवासी हर्ष उर्फ सिद्धू वाल्मीकि (22) अपने 3 अन्य साथियों के साथ कार से जा रहा था। बुधवार रात महबुल्लागंज में उसकी कार के सामने एक युवक बाइक लेकर आ गया। इसी बात पर दोनों पक्षों में

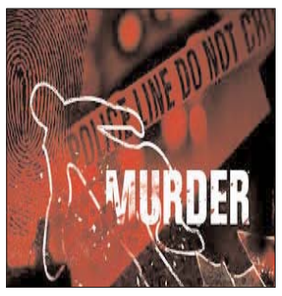

कहासुनी हो गई। कार सवार युवकों ने बाइक सवार युवक से गाली गलौज कर दी। इस पर बाइक सवार युवक पास में ही स्थित अपने घर से तमंचा ले आया। उसने कार सवार सिद्धू वाल्मीकि को गोली मार दी।

हत्या का आरोपी पुलिस हिरासत में

गोली लगने से सिद्धू वाल्मीकि की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या के आरोपी लक्षित रस्तोगी को पुलिस ने पकड़ लिया है। उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर कटघर ने बताया कि वाहनों के टकराने को लेकर हुई कहासुनी में यह हत्या हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हर्ष उर्फ सिद्धू के पिता गुड्डू वाल्मीकि का कहना है कि उनका बेटा बुधवार रात करीब 10 बजे अपने दोस्त सुनील आदि के साथ किसी दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए कटघर महबुल्लागंज गया था। सुमित के साथ उसके 3 दोस्त थे। जब ये चारों बर्थडे पार्टी खत्म होने के बाद कार से घर लौट रहे थे तब वापसी में कटघर जोशी मोहल्ले के लक्षित रस्तोगी पुत्र राजेश रस्तोगी मिल गया। उसने हर्ष उर्फ सिद्धू और सुमित को रोककर गंदी गालियां देना शुरू कर दीं। जिसका हर्ष उर्फ सिद्धू ने विरोध किया।

गोरखपुर में 15 साल की लड़की से रेप

गोरखपुर। गोरखपुर में घर के बाहर टहलने निकली एक नाबालिग किशोरी से रेप का मामला सामने आया है। वह रात में अपने घर के बाहर टहलने निकली थी। इस बीच गांव का ही एक मनबढ़ उसे अकेला देख डरा-धमकाकर अपने साथ ले गया। फिर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दरिंदगी की। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। घटना चिलुआताल इलाके के एक गांव में बीते सोमवार रात की है। वहां से किसी तरह किशोरी अपने घर पहुंची और परिवार को आपबीती बताई। इसके बाद परिवार के लोग बेटी संग थाने पहुंचकर इसकी लिखित शिकायत किए। फिलहाल, पुलिस इस मामले में रेप का केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। किशोरी ने परिवार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है, 15 साल की किशोरी सोमवार की रात करीब 10 बजे अपने घर के बाहर टहलने निकली थी। घर से निकलते ही गांव का ही एक युवक उसके पीछे लग गया। युवक ने कस्तूरबा स्कूल के पास किशोरी को पकड़ लिया। इसके बाद स्कूल के पीछे ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के शोर मचाने पर युवक उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि इस बीच किशोरी की तबीयत बिगड़ जाने की वजह से परिजन उसे इलाज के लिये मेडिकल कालेज भर्ती कराए हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी हुई है।

मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी की पैरोल खत्म

गाजीपुर। मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ विधायक अब्बास अंसारी का पैरोल खत्म होने के बाद कासगंज के लिए रवाना किया गया। गुरुवार की सुबह 5:00 बजे पुलिस कस्टडी में गाजीपुर जिला जेल से कासगंज ले जाया गया।

मालूम हो कि कोर्ट के आदेश पर अब्बास अंसारी को तीन दिनों की पैरोल मिली थी। जिसके क्रम में बीते 9 जून की सुबह अब्बास अंसारी कासगंज से गाजीपुर जिला जेल लाया गया था।

वहीं पैरोल के तहत लगातार 10, 11 और 12 जून को जिला जेल से पैतृक आवास मुहम्मदाबाद फाटक ले जाया गया। अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से 10 से 12 जून तक पिता की मौत के बाद आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल होने आदेश था। घर पर परिजनों से मुलाकात करने के लिए कस्टडी पैरोल मिली थी। बुधवार की शाम को पैतृक आवास मुहम्मदाबाद फाटक पर लोगों से अब्बास अंसारी मुलाकात के बाद जेल के लिए निकला।

अब्बास अंसारी को कोर्ट से 10 से 12 जून तक दिन मे अपने घर पर परिजनों के साथ रहने की पैरोल मिली थी। लेकिन हर दिन शाम को उसे वापस गाजीपुर जेल वापस लाने और रात में अब्बास अंसारी को गाजीपुर जेल में ही रखने का आदेश था। ये रूटीन 12 जून तक रहा। पैरोल खत्म होने के बाद अब्बास अंसारी को आज 13 जून को वापस कासगंज जेल के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना किया गया।

तीन दिनों की मिली पैरोल के पहले दिन बीते सोमवार को मुख्तार अंसारी का बेटा विधायक अब्बास अंसारी मुहम्मदाबाद के कालीबाग कब्रिस्तान पहुंचा था। कब्रिस्तान में पहुंच कर अब्बास अपने पिता मुख्तार अंसारी के मिलाद कार्यक्रम मे शरीक हुआ था।

बहराइच में तेंदुये के हमले में बालक की मृत्यु

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में बीती रात तेंदुए के हमले से घायल एक बच्चे की गुरुवार सुबह मृत्यु हो गई। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के वन रेंज धर्मापुर के अंतर्गत जलिहा गांव निवासी शाहिद के पुत्र वाहिद (6) पर बुधवार की रात्रि जंगल की तरफ से आए तेंदुए ने हमला कर दिया था। इस हमले में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे गंभीर अवस्था में सीएचसी मोतीपुर भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वन क्षेत्राधिकारी रत्नेश कुमार के द्वारा तत्काल मौके पर पीड़ित के परिजनों को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। क्षेत्रीय ग्रामीण के मुताबिक जलिया गांव के आसपास लगातार तेंदुए के हमले हो रहे हैं जिसमें कई बच्चों की मृत्यु भी हो चुकी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की 5वीं मंजिल से गिरी डॉक्टर, मौत

भाई बोला- साथी डॉक्टरों ने धक्का दिया, 2 हिरासत में

कानपुर। कानपुर मेडिकल कॉलेज की 5वीं मंजिल से गिरकर महिला डॉक्टर की मौत हो गई। उसने बुधवार, 12 जून की रात साथी डॉक्टरों के साथ पार्टी की। फिर सभी छत पर गए। थोड़ी देर बाद छत से गिरने की आवाज आई। भाग कर सभी नीचे पहुंचे तो देखा कि उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना पर पुलिस, फोरेंसिक टीम के साथ पहुंची और जांच-पड़ताल की। साथी डॉक्टरों का कहना है- दीक्षा तिवारी छत पर जिस जगह बैठी थी, वह कमजोर थी। जिसके टूटने से वो नीचे गिर गई। हालांकि, महिला डॉक्टर के भाई ने कहा- छत पर रगड़ के निशान हैं। उसे छत से फेंका गया है। इसकी जांच होनी चाहिए। फिलहाल, पुलिस ने 2 साथी डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। साथ ही सीसीटीवी चेक कर रही है।

बरेली की रहने वाली थी महिला डॉक्टर

दीक्षा तिवारी (26) बरेली की रहने वाली थी। 2024 सेशन में ही उसने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। 25 जून को मेरठ मेडिकल कॉलेज में जॉइनिंग लेनी थी। दीक्षा कानपुर के स्वरूप नगर में किराए पर रहती थी। उनके पिता प्रदीप तिवारी का बरेली में प्रिंटिंग प्रेस का काम है।

परिवार में मां रेनू तिवारी, भाई मयंक तिवारी हैं। मयंक पुणे में प्राइवेट नौकरी करते हैं। साथी डॉक्टरों के मुताबिक, बुधवार रात फाइनल ईयर की पढ़ाई पूरी होने की पार्टी रखी गई थी।

हम लोगों ने पहले कमरे में पार्टी की। फिर हम एग्जामिनेशन बिल्डिंग की 5 मंजिला इमारत की छत पर चले गए। रात में करीब 12 से 1 बजे के बीच हम मेडिकल कॉलेज की छत पर थे। दीक्षा बात करते हुए छत पर बने डक (वैंटिलेटर के लिए बनी जगह) पर बैठ गई।

शायद वह जगह पहले से कमजोर थी। अचानक टूटने की वजह से हादसा हो गया। दीक्षा डक के अंदर नीचे गिर गई। दोस्तों के मुताबिक, इस हादसे के बाद वे सभी डर गए। हादसे के बारे में मेडिकल कॉलेज प्रशासन को बताया। उन्होंने बरेली में पिता प्रदीप तिवारी को जानकारी दी।

अब सेवामित्र पोर्टल से घर बैठे सर्विसों को बुकिंग कर लाभ उठायें

कॉल-सेन्टर के टोल फ्री नं0 155330 पर सीधे बुकिंग की जा सकती है

ललितपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी आकांक्षा यादव ने जनपद के समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि सेवायोजन विभाग के द्वारा डोर-टू-डोर सेवायें उपलब्ध कराने हेतु ''सेवामित्र'' पोर्टल https://sewamitra.up.gov.in को विकसित किया गया है ।अब वह सेवामित्र पोर्टल से सर्विस बुकिंग कर विभिन्न सुविधाओं का घर बैठे लाभ ले सकते हे।

वर्तमान में जनपद ललितपुर मे विभिन्न सेवायें घर बैठे उपलब्ध हो सकेंगी जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

1. टैक्सी, कार की सेवायें 2. आई0टी0 हार्डवेयर एण्ड सर्विसेज (जैसे कम्प्यूटर, प्रिन्टर रिपेयर सर्विसेज) की सेवायें 3.ए0सी0 सर्विस एण्ड रिपेयरिंग की सेवायें 4. आर0ओ0 सर्विस, रिपेयर एण्ड वाटर प्यूरीफायर की सेवायें 5. मेनपॉवर की सेवाये 6. प्लम्बिंग से सम्बन्धित सेवायें 7. कैटरिंग की सेवायें इत्यादि सेवायें उपलब्ध हैं। समस्त जनपदवासी एवं कार्यालयाध्यक्ष उपरोक्त सेवाओं को सेवामित्र पोर्टल की वेवसाइट https://sewamitra.up.gov.in पर या गूगल प्लेस्टोर से एप को डाउनलोड कर अथवा सेवामित्र कॉल-सेन्टर के टोल फ्री नं0 155330 पर सीधे बुकिंग कर सकते हैं। पोर्टल एवं बुकिंग से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नं0 9415945057 या कार्यालय में आकर सम्पर्क कर सकते हैं।

तहसील महरौनी में ठेकों की नीलामी 28 जून को

ललितपुर। महरौनी उप जिलाधिकारी महरौनी ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि नवीन तहसील परिसर / कार्यालय महरौनी में वित्तीय वर्ष 2024-25, मार्च 2025 तक के लिए चाय, नमकीन, मीठा की कैंटीन व साईकिल/मोटर साईकिल स्टेण्ड / कार पार्किंग एवं फोटो स्टेट की दुकान की सशर्त नीलामी दिनांक 28.06.2024 समय 10: 00 बजे सुबह तहसील महरौनी में सम्पन्न की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते है। नीलामी की शर्तें कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

सराफ के नौकर के कातिल अरेस्ट, 85 लाख रिकवर

मुरादाबाद। मुरादाबाद से 4 जून को लापता हुए सराफ के नौकर अजय की डेडबॉडी उत्तराखंड के लैंसडाउन की खाई में पड़ी मिली है।

नौकर को अगवा करने के बाद कैश और ज्वैलरी लूटकर दोस्त ने ही हत्या कर दी। उसके लापता होने के बाद मुरादाबाद में सराफ ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नौकर लाखों रुपए के गहने और कैश लेकर गायब हो गया है।

मूल रूप से प्रतापगढ़ का रहने वाला अजय पिछले कई साल से मुरादाबाद में मंडी चौक साहू स्ट्रीट स्थित ज्वैलर्स मैसर्स फूल कुमार-रमेश कुमार एंड संस की दुकान पर काम करता था।

अजय मुरादाबाद में भोलानाथ कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। ईदगाह रोड कटघर निवासी फूल कुमार-रमेश कुमार एंड संस के मालिक सराफ अलंकार अग्रवाल ने 6 जून को कटघर थाने में अजय के खिलाफ गबन की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कैश और ज्वैलरी लेकर दिल्ली भेजा था

इस रिपोर्ट में अलंकार अग्रवाल ने कहा था कि अजय उनका भरोसेमंद था। इसलिए उसके जरिए कैश और ज्वैलरी भेजने का काम करने लगे थे। 4 जून को अजय को कैश और ज्वैलरी लेकर दिल्ली भेजा था। उसके पास लाखों रुपए की ज्वैलरी थी। लेकिन, अजय दिल्ली नहीं पहुंचा और उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। सराफ ने पुलिस से कहा था कि नौकर अजय उनका कैश और ज्वैलरी लेकर भाग गया है।

आजमगढ़ में हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

आजमगढ़। आजमगढ़ में हत्या के 37 वर्ष पुराने मुकदमें की सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 15 हजार का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर तीन जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना 29 मई 1987 ईद के दिन सायं काल की है। वादी मुकदमा नसीरुद्दीन की पत्नी फातमा व बच्चे अपनी ननिहाल शिवराजपुर थाना गंभीरपुर में अपने नाना सदरूद्दीन के साथ रहते थे। उस दिन सुबह ग्राम शिवराजपुर के आशिक अली के लडके आफताब व सदरुद्दीन के लडके नान्हू के मध्य भैस को ले जाने के बाबत तकरार हुई थी। शाम को मग़रिब की नमाज़ के बाद सदरुद्दीन उर्फ नेता, शमशुददीन पुत्रगण टेल्हू व जुबेर अहमद उर्फ़ नान्हू पुत्र सदरुद्दीन एवं बदरुद्दीन पुत्र असद लाठी लेकर आशिक अली के लडके आफताब को उसके घर के पूरब मैदान मे लाठियों से मारने लगे। उसके चिल्लाने पर बचाने आये मुन्नू उर्फ़ मुश्ताक व वादी मुकदमा के ससुर सदरुद्दीन पुत्र हमीद बचाने दौड़ें। तब मुल्ज़िमान मुन्नू उर्फ़ मुश्ताक को लाठियों से तथा वादी मुकदमा के ससुर सदरुद्दीन को अभियुक्त सदरुद्दीन पुत्र टेल्हू ने बल्लम से मार दिया था जिससे सदरुद्दीन पुत्र हमीद की मौके पर ही मृत्यु हो गयी थी। इस प्रकरण मे आरोपी सदरुद्दीन, शमशुददीन व बदरुद्दीन को वर्ष 1991 मे आजीवन कारावास की सजा हुई थी।

युवक की हत्या कर झाड़ियों में फेंकी लाश

कानपुर। कानपुर में गुरुवार को युवक की हत्या के बाद लाश को झाड़ियों में फेंक दिया। कपली अंडरपास के पास पड़ा हुआ शव मिला। पनकी थाने की पुलिस, एसीपी और फोरेंसिक टीम जांच करने पहुंची। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। एसीपी पनकी टीबी सिंह ने बताया कि भौती से कपली की ओर जाने वाली सड़क पर 30 वर्षीय युवक का रक्तरंजित शव मिला है।

युवक की गर्दन रेतकर हत्या की गई है। शरीर पर भी कई जख्म के निशान हैं। जांच के बाद भी कुछ ऐसा नहीं मिला, जिससे मृतक युवक की शिनाख्त हो सके। ऐसा लग रहा है कि युवक की हत्या के बाद शव को लाकर पनकी में फेंका गया है। क्योंकि जहां शव मिला है वहां पर खून भी नहीं मिला है। शव की शिनाख्त के लिए सभी थानेदारों को युवक की फोटो भेज दी गई है।

मैनपुरी में नहर में मिले शव की शिनाख्त

मैनपुरी। मैनपुरी के थाना क्षेत्र में अज्ञात अवस्था में पड़े मिले शव की शिनाख्त पुलिस ने करा ली है। परिजनों में शव देखते हीं चीख पुकार मच गई है। परिजनों ने अपने रिश्तेदार पर युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। भोगांव थाना क्षेत्र में स्थिति नहर जीवन पुर बड़ोंली में नहर में युवक शव पड़ा मिला था। जिसकी शिनाख्त कराने के लिए पुलिस ने काफी प्रयास किया था लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी। आज उसकी शिनाख्त थाना कुरावली के गांव जीगन चंदाई निवासी रंजीत कुमार पुत्र मुन्नालाल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार युवक को उसके साढ़ू ने 9 जून को बुलाया था। इसके बाद वह गायब हो गया। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदी दर्ज करा दी। 11 जून को उसका शव भोगांव थाना क्षेत्र की नहर में अज्ञात पड़ा हुआ मिला।

बिल्डिंग मालिक का लालच.....बना 41 भारतीयों की मौत की वजह, कंपनी और बिल्डिंग मालिक की गिरफ्तारी के आदेश

दोहा । कुवैत के मंगफ शहर में बहुमंजिला इमारत में आग लगने से 41 भारतीयों की मौत हो गई। घायल 50 लोगों में भी अधिकांश भारतीय ही हैं। मामले की गंभीरता को देखकर भारत सरकार ने विदेश राज्यमंत्री कीर्ति व?र्द्धन सिंह को फौरान कुवैत के लिए रवाना किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घटना पर गहरा शोक जताया है। भरपूर तेल भंडार वाले देश में तकरीबन 10 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की आबादी का 21 प्रतिशत है। वहीं इस भयावक घटना पर कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह ने अधिकारियों को अग्निकांड की जांच का आदेश देकर कहा कि जिन लोगों के चलते यह त्रासदी हुई है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ ने घटना के लिए भवन के मालिक को जिम्मेदार ठहराकर गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ ही जिस कंपनी के श्रमिकों को एक साथ इसमें रखा गया था, उनके मालिक को भी गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। शेख फहद ने कहा है कि यह घटनाक्रम भवन के मालिक की लालच की वजह से हुआ है। कंपनी ने अपने फायदे के लिए बड़ी संख्या में एक ही भवन में बहुत ज्यादा श्रमिकों को भर दिया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के कई भवन मंगफ इलाके में हैं, जहां सैकड़ों मजदूरों को बहुत ही खराब हालात में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। हमारी सरकार ये तय करेगी कि भविष्य में इसतरह की घटना फिर से नहीं हो।

बच्चों को मारने के आरोप में नर्स पर फिर चलेगा केस

लंदन । ब्रिटेन में नर्स लुसी लेटबी पर बच्चों को मारने के आरोप में फिर से मुकदमा दर्ज हुआ है। दरअसल लुसी ने अस्पताल में एक नवजात बच्ची को मारने की कोशिश की थी। 34 साल की लेटबी पर फरवरी 2016 में अस्पताल में समय से पहले जन्मे नवजात को मारने की कोशिश करने का आरोप लगा था। मामले की शुरुआत कर, वकील निक जॉनसन ने आरोप लगाया कि पूर्व नर्स को एक वरिष्ठ सलाहकार ने रंगे हाथों पकड़ लिया, जब नर्स छोटे शिशु की सांस की नली को उसकी जगह से हटा रही थी। वकील ने बताया कि नर्स ने बच्चे को एक वेंटिलेटर से कनेक्ट किया था, जिससे वहां बच्चा सांस ले रहा था, और नवजात को एक अन्य मशीन से जोड़ा गया था जो उसकी हार्ट लेवल को कंट्रोल कर रहा था। वकील ने बताया कि अगर बच्चे के हार्ट लेवल या ब्लड में ऑक्सीजन लेवल एक निश्चित लेवल से नीचे आ जाए, तब अलार्म बज जाएगा, लेकिन अलार्म नहीं बजा। दरअसल कुछ समय बाद बाल रोग विशेषज्ञ रवि जयराम नर्सरी में चले गए और देखा कि लेटबी बच्चे के ऊपर खड़ी थी क्योंकि उसका ऑक्सीजन लेवल गिर गया था, वहां अलॉर्म को रोकने के लिए इस तरह से खड़ी थी। वकील ने आरोप लगाते हुए कहा, नर्स वहां खड़ी थी और अलार्म को बजने से रोक रही थी, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि लुसी लेटबी इस मामले में दोषी है और उन्होंने बच्चे की ट्यूब को उसकी जगह से हटा दिया था।

पीड़ितों की सहायता के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे

कुवैत सिटी । कुवैत में विदेशी कामगारों के आवास वाले अपार्टमेंट में लगी भीषण आग में घायल हुए लोगों की सहायता और मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि कुवैत के अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में हुई आग लगने की विनाशकारी घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण करा रहे हैं। उनके अनुसार, घटना में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए भारतीय वायुसेना का एक विमान तैयार रखा गया है।

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटना में 11 की मौत, चार घायल

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और मैमाना शहर में एक आवासीय घर की दीवार से टकरा गया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हो गए है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अफगानिस्तान में भीड़भाड़ वाली सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चलाना और जर्जर राजमार्गों पर यातायात संकेतों का ना होना यातायात दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है।

कुवैत हादसा : बिल्डिंग में ठूंस- ठूंस के भरे थे लोग, भागने तक की नहीं मिली जगह

कतर। कुवैत की एक बिल्डिंग में बुधवार लगी भीषण आग में अब तक 50 लोग की मौत की पुष्टी हुई। खबरों के मुताबिक मरने वालों में सबसे ज्यादा 40 भारतीय मजदूर हैं। इस घटना को लेकर कुवैत सरकार ने लापरवाही बरतने के लिए बिल्डिंग मालिक और अन्य जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक आग लगने की घटना को लालच का नतीजा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है दक्षिण कुवैत के मंगाफ में प्रवासी मजदूरों के आवास वाली एक इमारत को किराए पर लिया था। इस इमारत में मजदूर रहते थे। इस बिल्डिंग में कुल 196 लोग रह रहे थे जो बिल्डिंग की क्षमता से ज्यादा थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बिल्डिंग में मजदूरों को जानवरों की तरह कर रखा गया था। बता दे कि बुधवार तड़के छह मंजिला इमारत की किचन में सुबह 4 बजे यह आग लगी थी जिसकी चपेट में पूरी बिल्डिंग आ गई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर मजदूर रात को नाइट शिफ्ट करके लौटे और सो रहे थे। आग इतनी ज्यादा इसलिए फैली क्योंकि इसे बुझाने का मौका नहीं मिला और लोगों को भगाने का मौका नहीं मिला क्योंकि जगह काफी कम थी। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी ताकि उनकी जान बच सके। इस हादसे में कई भारतीय की जान गई है। भारतीय दूतावास इस पर बराबर नजर रख रहा है और मरने वालों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

इंडोनेशिया में महसूस किए गए भूकंप के झटके

जकार्ता । इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत के तट पर गुरुवार सुबह शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के मुताबिक देर रात करीब 12:01 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र तालुद द्वीप समूह के 41 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में समुद्र तल से 32 किलोमीटर की गहराई में था।

डब्ल्यूएचओ ने सोमालियाई लोगों के लिए नई परियोजना शुरू की

मोगादिशु। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जलवायु जनित घटनाओं से प्रभावित सोमालिया के लोगों की मदद के लिए नई परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह परियोजना सोमालिया में उन लोगों को लक्षित कर रही है जो अभी भी बाढ़ और सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं के प्रभावों के साथ जी रहे हैं। यह परियोजना महत्वपूर्ण देखभाल की गुणवत्ता, पहुंच और कवरेज में सुधार के लिए समुदायों और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच रेफरल संबंधों को भी मजबूत करेगी। इसमें चिकित्सा जटिलताओं के साथ गंभीर कुपोषण वाले बच्चों के लिए स्थिरीकरण केंद्रों में रोगी उपचार शामिल है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि नई परियोजना पहले की परियोजना के पूरा होने के बाद आई है जिससे सोमालिया में सूखे और बाढ़ से प्रभावित 30 लाख से अधिक लोगों को एकीकृत स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं से लाभ हुआ है।

ब्यूनस आयर्स में आर्थिक सुधार विधेयक का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी।

ब्रिटेन के चुनाव में दिखेगा हिंदूओं का जलवा... पहली बार जारी हुआ हिंदू घोषणापत्र

लंदन । आगामी जुलाई माह में ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव पर भारत के लोगों की नजर है। वहां रहने वाला हिंदू समाज चुनाव में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने की तैयारी में है। पहली बार चुनाव से ठीक पहले हिंदू घोषणापत्र जारी किया गया है। इसका कारण खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिरों तथा हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं का बढ़ना है। ब्रिटेन में सिख व मुस्लिम समाज का घोषणापत्र आता रहा है, लेकिन पहली बार है जब हिंदू समाज के लोग भी अपना घोषणापत्र लाए हैं। सात सूत्रीय घोषणापत्र में प्रमुख रूप से हिंदू विरोधी नफरत को धार्मिक घृणा अपराध के रूप में मान्यता देना, उसमें शामिल संगठनों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाना, हिंदू मूल्यों को स्वीकार करना और उसकी रक्षा करने के साथ हिंदू पूजा स्थलों की रक्षा करना शामिल है। मामले से जुड़े व्यक्ति के अनुसार, हमने अपना घोषणापत्र जारी कर कहा है कि जो प्रत्याशी या दल इस घोषणापत्र को स्वीकार करेगा, उसी को हिंदुओं का वोट मिलेगा। चार दिन पहले लंदन में आयोजित हार्मोनी कांफ्रेंस में यह घोषणापत्र जारी किया गया है, जिसमें ब्रिटेन में सक्रिय 138 हिंदू धार्मिक व सामाजिक संगठनों के 350 से अधिक लोग शामिल हुए थे, जिसमें बाप्स श्री स्वामीनारायण मंदिर, चिन्मय मिशन, हिंदू स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू मंदिर नेटवर्क व हिंदू काउंसिल ऑफ यूके जैसी प्रमुख संस्थाओं के लोग शामिल थे। जानकारों के अनुसार, ब्रिटेन की जनसंख्या में हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की संख्या करीब 1.7 प्रतिशत है।

पाकिस्तान वित्त वर्ष 2024-25 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर उधार लेने की योजना बना रहा है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में कम से कम 23 अरब डॉलर उधार लेने की योजना बनाई है। इसमें 12 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कर्ज भी शामिल है। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। खबर के अनुसार, इसकी मदद से वह अपनी विकास योजनाओं और बाह्य वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर सकेगा। इससे नकदी की कमी से जूझ रहे देश की विदेश तथा आर्थिक नीतियां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थानों पर निर्भर रहेंगी। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के बजट दस्तावेजों के

अनुसार, पाकिस्तान कम से कम 23.2 अरब अमरीकी डॉलर (5900 अरब रुपये) उधार लेगा, जिसमें आईएमएफ से कोई ऋण शामिल नहीं है। इन 23 अरब अमेरिकी डॉलर में से सरकार ने 20 अरब अमेरिकी डॉलर को बजट दस्तावेजों में शामिल किया है। इसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा तीन अरग अमेरिकी डॉलर देने को संघीय खातों का हिस्सा नहीं बनाया है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2024-25 के लिए रक्षा के लिए पाकिस्तान का 2,122 अरब रुपये का बजटीय आवंटन नकदी की कमी से जूझ रहे देश के सकल घरेलू उत्पाद का सिर्फ 1.7 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के समान ही है।

हालांकि यह निवर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित 1,804 अरब रुपये से अधिक है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 18,877 अरब रुपये का भारी कर वाला बजट पेश किया। वित्त मंत्री के भाषण और विभिन्न बजट दस्तावेजों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्वोटित 2,122 अरब रुपये 30 जून को समाप्त होने वाले निवर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आवंटित 1,804 अरब रुपये से 318 अरब रुपये अधिक है।

जी-7 के दौरान यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना हो गए हैं। सम्मेलन के दौरान वह यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले है। इस दौरान यूक्रेन को अमेरिका के दीर्घकालिक समर्थन का वचन दिया जाएगा। हालांकि, इसके पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि राष्ट्रपति बाइडन शिखर सम्मेलन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फिर से मुलाकात करने और फिर एक प्रेसवार्ता करने वाले है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि नए समझौते से स्पष्ट हो जाएगा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अमेरिका भविष्य में भी यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर करके हम रूस को अपने संकल्प का संकेत भी देने वाले है। सुलिवन ने कहा, यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लगता है कि वह यूक्रेन के समर्थन में उतरे गठबंधन से अधिक समय तक टिक सकते हैं, तब वह गलत हैं। सुलिवन ने कहा, 15 देशों ने अपने सुरक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो यूक्रेन की रक्षात्मक निवारक क्षमता को मजबूत करने वाले है। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी समझौते में यूक्रेन का साथ देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी, लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना का उपयोग करने की प्रतिबद्धता नहीं होगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य रूस को यह संकेत देना है कि अमेरिका कीव को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि बाइडन यूरोप की यात्रा पर जा रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने कहा कि सुरक्षा समझौता रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा के लिए सीधे अमेरिकी सैनिकों को भेजने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होगा।

पीएम मोदी जी7 शिखर सम्मेलन के लिए रवाना, जस्टिन ट्रूडो के साथ कोई द्विपक्षीय मुलाकात की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को इटली के लिए रवाना हो गए जहां वह जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री पांचवीं बार भाग ले रहे हैं और सम्मेलन में सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होंगे। हालांकि पीएम मोदी के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ शिष्टाचार साझा करने की संभावना है, लेकिन उनके साथ कोई द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है। ट्रूडो के साथ पीएम मोदी के द्विपक्षीय अनुभव निराशाजनक रहे हैं क्योंकि कनाडाई प्रधानमंत्री टोरंटो से भारत की ओर बढ़ रहे खालिस्तानी आतंकवाद को संबोधित करने के इच्छुक नहीं हैं। एक बड़े पश्चिमी नेता की धारणा से पीड़ित, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र भारत के साथ ट्रूडो का एकमात्र एजेंडा मानवाधिकार है। भारत जस्टिन ट्रूडो की चालों से सबसे ज्यादा नाखुश है क्योंकि कनाडा ने अभी भी अपने इस आरोप को साबित करने के लिए ज़रा भी सबूत नहीं दिया है कि पिछले 18 जून को सरे, वैंकूवर में भिंडरावाले टाइगर फोर्स के आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे मोदी सरकार थी। 18 सितंबर को गैंगवार में मारे गए निज्जर की हत्या पर जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई संसद में भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए थे।

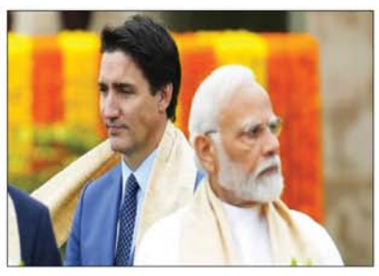

देश में विरोधियों को नहीं... लेकिन पाकिस्तानी नेता को ईवीएम पर भरोसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के विपक्षी नेता चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठाते रहते हैं। लेकिन पाकिस्तानी संसद में एक विपक्षी नेता ने ईवीएम और भारतीय चुनावी प्रणाली की तारीफ की। पाकिस्तान के विपक्ष के नेता शिबली फराज ने पाकिस्तान की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि भारत ने इतना बड़ा चुनाव बिना किसी धांधली के करा लिया। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सीनेटर फराज ने चुनावी प्रक्रिया और धांधली पर सवाल उठाकर कहा, मैं अपने दुश्मन देश का उदाहरण नहीं देना चाहता, अभी चुनाव हुए हैं वहां... 80 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट किया है.. कितने हजारों मतदान केंद्र बनाए गए.. एक जगह पर एक आदमी तक के लिए मतदान केंद्र बना दिए उन लोगों ने। एक महीने से ज्यादा समय तक चुनाव हुआ, ईवीएम से चुनाव कराए गए। उन्होंने कहा, पूरे चुनाव के दौरान क्या एक भी आवाज उठी कि चुनाव में धांधली हुई है। हम भी यही चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि ये देश इसी बात में फंसकर रह जाए कि ये चुनाव जीता या वहां जीता.. न जीतने वाला मानता है न हारने वाला। फराज ने कहा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के बावजूद, भारत ने धोखाधड़ी के आरोपों के बिना अपने यहां विशाल चुनाव सफलतापूर्वक करा लिया। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद वायनाड में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया था, उन्होंने कहा था, चुनाव आयोग ने चुनाव को पीएम की चुनावी जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया था।

ड्रैगन के झूठे वादों से परेशान हुआ नेपाल... अब खरी-खरी सुनाने को तैयार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल सरकार चीन के झूठे वादों से परेशान है और अब इस पूरे मुद्दे को जिनपिंग सरकार से उठाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि 25 जून को दोनों देशों के बीच यह बातचीत होगी। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग बैठक के लिए काठमांडू आएंगे। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा कि बैठक में चीन और नेपाल के बीच सभी मुद्दों पर बात होगी। माना जा रहा है कि इसमें सबसे अहम सीमा विवाद है। चीन ने नेपाल के कई इलाकों पर कब्जा कर रखा है।

नेपाल के कई बार गुहार लगाने के बाद चीन ने किसी तरह से व्यापारिक रास्ता खोला है। वहीं चीनी ठेकेदार लगातार नेपाल को गच्चा दे रहे हैं। वे नेपाल में सड़कों को बनाने और उन्हें चौड़ा करने के काम में हीलाहवाली कर रहे हैं। इससे काठमांडू रिंग रोड का काम

पूरा नहीं हो पा रहा है, जिससे नेपाल सरकार परेशान है। चीन ने वादा किया था कि वह नेपाल से सामानों का आयात करेगा और व्यापार संबंधों में बदलाव करेगा। इतना ही नहीं नेपाल के कई इलाकों में चीन घुसपैठ कर चुका है। चीनी सेना ने नेपाल एक इलाके में अपनी सैन्य चौकी तक बना ली है।

नेपाल के विरोध करने के बाद भी चीन की सरकार कोई तवज्जो नहीं दे रही है। इस बैठक के दौरान नेपाल व्यापार, पारगमन, कनेक्टिविटी, निवेश, स्वास्थ्य, टूरिज्म, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, संस्कृति आदि पर बातचीत होगी। वहीं चीन ने नहीं बताया है कि वह किन मुद्दों पर फोकस करेगा। प्रचंड की चीन यात्रा के दौरा सीमा के संयुक?त निरीक्षण पर सहमति बनी थी। इसके बाद नेपाली पक्ष ने इसकी पूरी तरह से तैयारी कर चीन से गुहार लगा रहा है, लेकिन चीन सीमा के संयुक्त निगरानी से भाग रहा है।

नेपाल और चीन के बीच सीमा 1439 किमी लंबी है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रोटोकॉल पर 20 जनवरी, 1963 को समझौता हुआ था। साल 2011 से ही यह बंद है और अभी तक इस पर कोई प्रगति नहीं हुई है। पिछले साल प्रचंड की चीन यात्रा के दौरान सीमा प्रबंधन सिस्टम को लेकर जल्द से जल्द समझौता करने पर सहमति बनी थी। यही नहीं नेपाल में चीन के फंड किए गए कई प्रॉजेक्ट लटके हुए हैं और बीजिंग उसे आगे नहीं बढ़ा रहा है।

रूस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम हो रहा फेल.....चिंतित भारत

- अमेरिकी एटीएसीएमएस रॉकेट के सामने टिक नहीं पा रहा

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध में अब रूसी हथियारों की युद्धक क्षमता की पोल खुल रही है। यूक्रेनी सेना ने क्रीमिया की सुरक्षा में तैनात किए गए रूसी एस-400 एयर डिफेंस को आसानी से तबाह करना शुरु किया है। यूक्रेनी सेना अमेरिका की ओर से दिए गए एटीएसीएमएस रॉकेट का इस्तेमाल कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सेना ने मई महीने में 10 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस?टम रॉकेट से क्रीमिया के सेवास्तोपोल के बाहर बेलबेक में स्थित रूसी ठिकाने पर भीषण हमला बोला था। इसमें एस-400 सिस्टम के दो लांचर और एक रेडॉर तबाह हो गए। यह वहीं एस-400 सिस्टम है जिसे रूस दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताता रहा है और भारत ने भी 5 की संख्या में एस-400 खरीद रहा है। इसमें केवल 3 ही भारत को मिले हैं।

दो टन वजनी इस अमेरिकी रॉकेट सिस्टम में ग्रेनेड के आकार के हजारों बॉम्बलेट थे जिन्होंने एस-400 सिस्टम को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इस हमले के तुरंत बाद रूसी सेना ने नष्ट हुए एस 400 की जगह पर दूसरा सिस्टम तैनात किया। रूस का दावा था कि एस 400 अजेय है, एस-400 को नष्ट नहीं किया जा सकता है लेकिन अब अमेरिकी मिसाइलों के आगे यह एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहा है। यूक्रेनी सेना ने बताया कि एस 300 और एस 400 एक-एक रेडॉर को भी नष्ट किया है। यूक्रेन की सेना ने तीन तरफ से रूसी ठिकाने पर हमला किया। बेलबेक एक तरह से रूस के लिए जाल बन गया है, जहां उसके सबसे अच्छे एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहे हैं। जिस तेजी से रूस बेलबेक में अपने एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात कर रहा है, उसी तेजी से यूक्रेनी सेना उन्हें तबाह कर रही है। रूस अब तक 2 एस 400 कमांड पोस्ट, 4 रेडॉर और 16 लॉचर यूक्रेनी हमले में गंवा चुका है। एस 400 को एंटी मिसाइल क्षमता के लिए जाना जाता है लेकिन अमेरिकी रॉकेट के सामने फेल साबित हो रहा है। रूस के पास अभी 50 एस 400 सिस्टम है। एस 400 का नष्ट होना भारत के लिए भी बुरी खबर है। भारत ने अरबों डॉलर खर्च करके 5 रूसी सिस्टम खरीदे हैं, ताकि चीन और पाकिस्तान का जवाब दिया जा सके लेकिन अब इस रूसी एयर डिफेंस सिस्टम की क्षमता पर ही सवालिया निशान लग गया है।

पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के लिए सुपर-8 की राह नहीं आसान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बुधवार को भारत की अमेरिका पर सात विकेट से जीत के बाद पाकिस्तानी फैंस को खुश होने का मौका मिल गया। ग्रुप ए के एक अहम मैच में भारत ने 111 रनों का पीछा करते हुए अमेरिका को मात दी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सुपर 8 के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। लेकिन अब पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें अभी भी अगले दौर के लिए कैसे क्वालीफाई कर सकती हैं।

कैसे पार होगी पाकिस्तान की नैया?

अमेरिका पर भारत की जीत ने पाकिस्तान के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है। बता दें कि कनाडा पर जीत के बाद पाक नेट रन रेट 0.191 हो गया था। जिससे उनके आगे बढ़ने की संभावना है, अगर वे आयरलैंड को हरा देते हैं और यूएसए अपने बचे मैच हार जाता है तो पाकिस्तान क्वालीफाई कर जाएगा। अगर आयरलैंड के खिलाफ मैच में बारिश के कारण मैच रद्द हुआ तो पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप के दौड़ से बाहर हो जाएगा।

इंग्लैंड का सुपर-8 का सफर

ग्रुप बी में इंग्लैंड की स्थिति भी पाकिस्तान की तरह बनी हुई है। ये टीम भी इस समय दूसरी टीमों पर निर्भर है। इंग्लैंड को ओमान और नामीबिया के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच जीतने की जरूरत है और उम्मीद है कि स्कॉटलैंड 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच हार जाए। तो इस तरह इंग्लैंड सुपर-8 के लिए क्वॉलीफाई कर लेगी।

श्रीलंका के लिए सफर मुश्किल

बांग्लादेश के खिलाफ मिली श्रीलंका को मामूली हार ने उनसको सुपर-8 में एंट्री करने के लिए काफी हद तक प्रभावित किया है। अब अपनी लाज बचाने के लिए श्रीलंका को नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ अपने शेष मुकाबलों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी और उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश अपने शेष दो मैचों में कम से कम एक मैच हार जाए।

न्यूजीलैंड की राह असंभव

न्यूजीलैंड को आज वेस्टइंडीज के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे न्यूजीलैंड का नेट रन रेट 2.425 पर पहुंच गया है। जिसके बाद वेस्टइंडीज ने सुपर-8 का टिकट कटवा लिया है। जबकि अफगानिस्तान का नेट रन रेट 5.225 गया है। उसने अपने दोनों मैच कंबाइंड टोटल 209 रनों से जीते हैं, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान दोनों ने युगांडा को 120 से ज्यादा रनों से हराया है। यहां से न्यूजीलैंड का क्वालीफिकेशन का रास्ता बहुत मुश्किल लग रहा है।

सरवनन को पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकाचालक विष्णु सरवनन को आगामी पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में जीत के साथ ही दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। पिछली बार हुए टोक्यो ओलंपिक में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। सरवनन ने कहा, ''टाक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे इसी कारण परिणाम की अधिक चिन्ता नहीं थी और मेरा ध्यान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर था।'' वह पिछले एक महीने से मार्सेल में साइप्रस के पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो टोन्सी स्टिपनोविच के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे ओलंपिक स्थल में ट्रेनिंग लेने का मौका मिला और मेरे साथ ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।''

साथ ही कहा ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए में वह अनुभवी नौकाचालकों के होने के बाद भी दबाव में नहीं आने के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। उन्होंने कहा, ''इस दौरान मैंने पाया कि आप अनुभवी खिलाड़ियों से अपने को कम नहीं आंक सकते। आपको उस स्तर तक जाना होगा जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और उसको देखा जाये तो मेरे में सुधार आया है।।'' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।''

रोहित शर्मा ने आईसीसी टूर्नामेंट में बनाया नया रिकॉर्ड, सौरव गांगुली को इस मामले में पछाड़ा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने पहले तीन लीग मैच जीतकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने तीसरे लीग मैच में सह मेजबान यूएसए की टीम को 7 विकेट से हराकर ये कामयाबी अपने नाम की है। इस मैच में भारत की स्थिति तक खराब हो गई थी तब शुरुआती 3 विकेट 39 रन पर गिर गए, इसके बाद सूर्यकुमार यादव (50) और शिवम दुबे (31) ने भारतीय टीम की नैया को पार लगाया।

टीम इस जीत के साथ ही सुपर-8 में पहुंच गई है। वहीं इस जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 टूर्नामेंट में बतौर कप्तान सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा आईसीसी टूर्नामेंट जीतकर गांगुली को पछाड़ दिया है। हालांकि, वो एमएस धोनी से अभी भी पीछे हैं। अमेरिका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 3 रन, विराट कोहली गोल्डन डक पर आउट हुए और पंत ने 18 रन की पारी खेली।

इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और फिर अर्शदीप सिंह की रिकॉर्ड गेंदबाजी के दम पर मेजबान यूएसए की टीम को 20 ओवर में 8 विकेट पर 110 रन रोक दिया। अर्शदीप ने 4 ओवर में 9 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या 2 विकेट झटके।

बतौर कप्तान रोहित शर्मा का आईसीसी टूर्नामेंट में ये 17वीं जीत थी। रोहित ने अब तक 20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें ये उनकी 17वीं जीत थी और उन्होंने सौरव गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। गांगुली ने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के लिए 22 मैचों में कप्तानी करते हुए 16 मैच जीते थे और अब रोहित उनसे आगे निकल गए हैं।

वहीं इस मामले में एमएस धोनी काफी आगे हैं जिन्होंने बतौर भारतीय कप्तान 58 मैचों में कप्तानी की थी और 41 मैचों में जीत हासिल की थी। रोहित दूसरे नंबर पर जरूर आ गए, लेकिन धोनी को पीछे छोड़ना उनके लिए काफी कठिन होगा क्योंकि वो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी दौर में चल रहे हैं। आने वाले वक्त में वो कितने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और ये कहना कठिन है साथ ही 41 जीत तक पहुंचना काफी मुश्किल ही लग रहा है।

सुपर आठ में 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से खेल सकती है भारतीय टीम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ जीत के साथ ही टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी है। यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से हो सकता है। इसके बाद उसके मुकाबले 22 और 24 जून को होंगे।

भारतीय टीम तीनो ही मैच जीतकर छह अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर है। भारतीय टीम ने अबतक आयरलैंड, पाकिस्तान, और अमेरिका को हराया है अब उसका अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। सुपर-8 के मुकाबले 19 जून से शुरू होंगे। सुपर 8 की 8 टीमों को दो ग्रुप (1 और 2) में रखा गया है। ग्रुप-1 में ए1, बी2, सी1, डी2 को रखा गया है। वहीं ग्रुप-2 में ए2, बी1, सी2 डी1 को रखा गया है। भारतीय टीम ग्रुप ए में 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है और वह इसी पर रहेगी क्योंकि उसका नेट रनरेट 1.137 है। वहीं अमेरिका के 4 अंक और उसका नेट रनरेट 0.127 है। अब अगर अमेरिका 100 से ज्यादा रन से जीत लेती है तो भी वह रट के मामले में भारत को पीछे नहीं छोड़ सकती। आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार ए1 टीम के सुपर-8 में तीन मुकाबले क्रमशः 20, 22 और 24 जून को होंगे। इस हिसाब से भारत का 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान (सी1) से मुकाबला हो सकता है। भारतीय टीम 22 जून को श्रीलंका या नीदरलैंड (डी2) से खेल सकती है। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी में है और ये तय है कि दक्षिण अफ्रीका ही ग्रुप स्टेज खत्म होने पर नंबर-1 पर रहेगी।

उसका ग्रप डी में अंतिम मुकाबला नेपाल से है। भारतीय टीम 24 जून को ग्रुप बी में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम से खेल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम का मुकाबल स्कॉटलैंड या इंग्लैंड से हो सकता है। इस ग्रुप में अभी ऑस्ट्रेलिया 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं स्कॉटलैंड 5 नंबर के साथ दूसरे जबकि नामीबिया 2 नंबर के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1 नंबर के साथ ही चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड के अभी दो मैच बाकी हैं और अगर वह ये दोनों मुकाबले जीतता है और स्कॉटलैंड अपना आखिरी मैच हारता है तो ही अंक तालिका बदल सकती है, ऐसे में इंग्लैंड नंबर-2 पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया का अंतिम मुकाबला स्कॉटलैंड से है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम सुपर-8 में बी1 के तौर पर प्रवेश करेगी।

विंबलडन : एकल विजेता को मिलेंगे 27 लाख पाउंड, बजट हुआ 5 करोड़ पाऊंड

लंदन। ऑल इंग्लैंड क्लब के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा की कि विंबलडन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर रिकॉर्ड 5 करोड़ पाउंड (लगभग छह करोड़ 40 लाख डॉलर) हो जाएगी जिसमें प्रत्येक एकल चैंपियन को 27 लाख पाउंड (34 लाख 50 हजार डॉलर) मिलेंगे। कुल इनामी राशि पिछले साल की तुलना में 53 लाख पाउंड (68 लाख डॉलर) अधिक है जो 11.9 प्रतिशत की वृद्धि है। यह 10 साल पहले इस ग्रासकोर्ट ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में प्रतियोगियों को दी गई दो करोड़ 50 लाख पाउंड (मौजूदा विनिमय दर पर 3 करोड़ 20 लाख डॉलर) से दोगुनी है। ऑल इंग्लैंड क्लब की नई अध्यक्ष डेबोरा जेवांस ने कहा कि टिकटों की मांग इस साल से अधिक कभी नहीं रही। इस साल के विजेताओं को मिलने वाली राशि में प्रत्येक वर्ग में 3,50,000 पाउंड (लगभग 4,50,000 डॉलर) की बढ़ोतरी हुई है जो 14.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एकल के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 2023 में 55,000 पाउंड (70,000 डॉलर) से बढ़ाकर 60,000 पाउंड (लगभग 76,000 डॉलर) मिलेंगे। क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार 14.9 प्रतिशत बढ़कर 48 लाख पाउंड (लगभग 60 लाख डॉलर) हो जाएगा।

न्यूयॉर्क की पिच पर खेलना कठिन, रणजी जैसा अनुभव हुआ : शिवम

न्यूयॉर्क। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वकप में 31 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब शिवम ने कहा है कि यहां की पिच पर खेलना बेहद कठिन था। इस कारण एक समय उन्हें लगा कि जैसे वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हों। शिवम इससे पहले आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में विफल रहे थे। उसको लेकर शिवम ने कहा, मैं अपनी फॉर्म हासिल करने का प्रयास कर रहा था पर मेरे ऊपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं था और सभी ने मेरा सहयोग और समर्थन किया जिससे मेरा मनोबल बढ़ा। साथ ही कहा, मुझे कभी खुद पर संदेह नहीं रहा। मुझे लगता है कि ये हालात वैसे नहीं हैं जैसे आईपीएल में थे। इसलिए यहां खेलने के लिए अलग रवैये की जरुरत है। इसलिए मैं आज अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहा था। शिवम ने आईपीएल की अंतिम पांच पारियों में सिर्फ 36 रन बनाए थे। विश्व कप में पहले ओर दूसरे मैच में भी वह नाकाम रहे थे। उन्होंने कहा, ऐसा लगा जैसे रणजी ट्रॉफी खेल रहा हूं। साथ ही कहा कि हालात तय करते हैं कि आप यहां कैसे खेलना चाहते हैं। छक्का मारने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट खेलना होगा। आज, मैं उस अवसर का इंतजार कर रहा था। यहां आकर पहली गेंद से ही शॉट खेलना करना आसान नहीं है, इसमें समय लगाने की जरुरत रहती है। साथ ही कहा कि इन पिचों पर बल्लेबाजी करने में मजा न आया हो पर गेंदबाजी करना उन्हें निश्चित रूप से पसंद है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस स्थान पर अपने संघर्ष की कठिन यादों को मिटाना चाहेंगे, उन्होंने कहा, मैं इसे अपनी यादों से नहीं मिटाऊंगा क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप है।

टी20 विश्वकप में भाग ले रहे गॉर्डन और जॉर्डन में है कई समानताएं

न्यूयार्क (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2024 में अब तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की धीमी पिचों पर गेंदबाज खासे सफल रहे हैं पर इसके बाद भी कुछ गेंदबाज ऐसे हैं जो महंगे साबित हुए हैं। इसमें कनाडा के जेरेमी गॉर्डन और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन हैं। इन दोनो के ही नाम एक पारी में सबसे अधिक रन देने का अनचाहा रिकार्ड है। इन दोनों ने ही अबतक 44-44 रन दिए हैं, इसके अलावा इन दोनो में कई और समानताएं भी हैं।दोनों ही 30 वर्ष से अधिक उम्र के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गॉर्डन की उम्र 37 वर्ष है जबकि जॉर्डन की 35 वर्ष। इन दोनों ने टूर्नामेंट में दो-दो मैच खेले हैं और दो-दो ही विकेट लिए हैं।

ये दोनो ही मूल रुप से वेस्टइंडीज से हैं। गॉर्डन जहां गयाना के स्टेनले टाउन में जन्मे, वहीं जॉर्डन का जन्म बारबडोस में हुआ है। जेरेमी गॉर्डन ने अब तक 10 वनडे में 18 और

और 14 टी20 में 19 विकेट हासिल किए हैं। दूसरी ओर क्रिस जॉर्डन 8 टेस्ट, 35 वनडे और 92 टी20 खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में 21, वनडे में 46 और टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट उन्होंने लिए हैं। गॉर्डन ने पहले मैच में ही अमेरिका के खिलाफ 3 ओवर में 44 रन दे दिये जबकि इंग्लैंड के जॉर्डन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 4 ओवरों में 44 रन लुटा दिये। ये दोनों टी20 विश्वकप 2024 में अब तक एक पारी में सबसे अधिक रन देने वाले गेंदबाज हैं। गार्डन के 3 ओवर में 44 रन बने थे, इसलिए वे नंबर वन पर हैं जबकि जॉर्डन नंबर दो पर हैं।

टी20 वर्ल्डकप में अब तक तीन गेंदबाजों ने ही अपने चार ओवर में 42-42 रन दिये हैं। इसमें कनाडा के साद बिन जफर, आयरलैंड के जोश लिटिल और उगांडा के कॉसमॉस केवुता शामिल हैं. साद ने अमेरिका के खिलाफ मैच 4 ओवर में 42 रन दिए थे। लिटिल ने भारत के खिलाफ मैच में और केवुता ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में यह रन दिए थे। वैसे टी20 वर्ल्डकप में सबसे महंगी गेंदबाजी का रिकॉर्ड श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम पर है। सनथ ने 2007 के पहले टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर में 64 रन दिए थे।

इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होगा : लियोनेल मेसी

अटलांटा। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अपने देश अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कहा कि इंटर मियामी उनका अंतिम क्लब होगा। अर्जेंटीना के कप्तान ने ईएसपीएन से कहा कि मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है। मेसी अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ कोपा अमेरिका की तैयारी कर रहे हैं। अर्जेंटीना इस टूर्नामेंट का पिछला चैंपियन है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में विश्व कप जीता था। बार्सिलोना के पूर्व स्टार मेसी का इंटर मियामी के साथ अनुबंध 2025 के सत्र के समापन तक है। उन्होंने कहा कि यूरोप से यहां आने का फैसला मुश्किल था। विश्व चैंपियन बनने से बहुत मदद मिली, और चीजों को अलग तरह से देखने का मौका भी मिला। लेकिन मैं इस बारे में नहीं सोचता। मैं खेल का आनंद लेने का प्रयास करता हूं। अर्जेंटीना के कई प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मेसी अपने पहले क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की तरफ से खेलकर अपने करियर का अंत करेंगे।

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये: निचले स्तर की टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को भ्रम में डाला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है।

शहजाद का कहना है कि ऐसे किंग का क्या किया जाये जो किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बाद भी पाक टीम के खिलाड़ी दबाव नहीं झेल पाए और ऐसे अहम मैच में कप्तान बाबर एक अच्छा स्कोर नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी मैच में बेहद लचर नजर आयी। शहजाद ने कहा कि अगर बाबर टीम के लिए मैच नहीं जीत सकते तो ऐसे किंग का कोई फायदा नहीं है। शाहजाद ने एक शो के दौरान कहा कि उन्होंने निचले स्तर की बी, सी और डी टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को गुमराह किया है। खेल को विकसित करने के लिए पीसीबी ने उनका वेतन बढ़ाया था, पर उन्होंने ये पैसा पैसा छवि निर्माण के लिए लगा दिया। शहजाद ने बड़े मैचों में बाबर आजम के औसत और स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए और कहा कि वह बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में अपने स्कोर, अपने आंकड़े, अपने औसत और अपने स्ट्राइक रेट को देखें। बाबर कहां है ये सभी को नजर आ जाएगा।

यूरो कप 2024 में अहम भूमिका निभाएंगे रोनाल्डो : छेत्री

-लय में आने पर हो जाते हैं बेहद खतरनाक

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जितना खतरनाक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं हैं। छेत्री के अनुसार यूरो कप 2024 में भी रोनाल्डो अहम भूमिका निभाएंगे। 39 साल के रोनाल्डो ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इसके बाद भी छेत्री का कहना है कि रोनाल्डो जैसा कोई और नहीं है। छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह शुरुआत में तेजी से नहीं खेल पायें पर एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी दूसरा कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है। साथ ही कहा कि वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर भी रख सकते हैं। हाल में खेल को अलविदा कहने वाले छेत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा पर रोनाल्डो का होना हमेशा ही टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस अवसर को गोल में बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री को यूईएफए यूरो 2024 के लिए विशेषज्ञ पैनल में रखा गया है।

बेहतर बल्लेबाज भी बनना चाहता हूं, जीत के बाद बोले अर्शदीप सिंह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इन दिनों अपनी गेंदबाजी से कहर बरपा रहे हैं लेकिन वह इतने से ही संतुष्ट नहीं हैं और निचले क्रम का विश्वसनीय बल्लेबाज बनना चाहते हैं जिसके लिए बल्लेबाजी को विक्रम राठौर के साथ कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। अर्शदीप ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 9 रन देकर चार विकेट लिए और भारत की सात विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की।

अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, 'हम हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं। हम सभी विभागों फिर चाहे वह गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण, में बेहतर बनने का प्रयास करते हैं क्योंकि आप नहीं जानते कि टीम को कब आपसे कुछ रन की जरूरत पड़ जाए।' उन्होंने कहा, 'यह दो या चार रन भी हो सकते हैं। इसलिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मैं विक्रम भाई के साथ जितना संभव हो कड़ी मेहनत करने की कोशिश करता हूं।'

अर्शदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को नौवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में उतरकर 13 गेंद पर नौ रन की उपयोगी पारी खेली थी। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उस मैच में उन्होंने ही जसप्रीत बुमराह से पहले बल्लेबाजी के लिए उतारने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा, 'जस्सी भाई को मुझसे पहले बल्लेबाजी के लिए उतरना था लेकिन मैं रोहित (शर्मा) से पूछकर पहले गया। वह इससे हैरान थे लेकिन मैंने उनसे कहा कि आप कुछ भी कहो मैं पहले बल्लेबाजी के लिए जाऊंगा। मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा विश्वास है। फिर चाहे फील्डिंग हो या गेंदबाजी आप बेहतर बनने की कोशिश करते हैं।'

अर्शदीप ने टूर्नामेंट के बारे में कहा कि परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत को ग्रुप ए का अपना अंतिम मैच कनाडा के खिलाफ फ्लोरिडा के लाडरहिल में खेलना है। इसके बाद टीम सुपर 8 के मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज जाएगी। अर्शदीप ने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण यह कि आप परिस्थितियों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। अगर विकेट से गेंदबाजों को मदद मिल रही हो तो हम शुरू में विकेट लेने की कोशिश करते हैं और अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करते हैं ताकि गेंदबाजों को बड़े लक्ष्य का बचाव करने को मिले।'

जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश हो सकता है पूर्ण बजट

नई दिल्ली:

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश कर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विभिन्न मंत्रालयों और पक्षों से बजट के लिए सलाह मशविरे का काम अगले हफ्ते शुरू हो सकता है। बजट से पहले 2023-24 की आर्थिक समीक्षा पेश की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा। इसमें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और लोक सभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद राष्ट्रपति लोक सभा और राज्य सभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी और उस पर चर्चा होगी। उन्होंने लिखा, 'राज्य सभा का 264वां सत्र 27 जून को शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था, जिसमें सरकारी खजाने को मजबूती देने के सरकार के संकल्प का ध्यान रखा गया था। सरकार ने राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसदी से नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के बराबर रहने का अनुमान लगाया गया है। बजट में यह भी पता चलेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक से मिले 2.11 लाख करोड़ रुपए के भारी भरकम लाभांश का इस्तेमाल सरकार किस तरह करेगी।

इससे सरकार को वित्तीय मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है और खर्च संभालने में भी उसे ज्यादा सहूलियत होगी। एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि अगर सरकार की नीतियों में निरंतरता बनी रहती है तो वह अगले दो साल में भारत की रेटिंग को अपग्रेड कर सकती है। मगर इसके लिए जरूरी है कि सरकार आर्थिक सुधार बढ़ाए, बुनियादी ढांचे पर ज्यादा निवेश करे और राजकोषीय एवं मौद्रिक मोर्चे पर उसकी नीतियां सतर्कता भरी रहें।

एफडी की ब्याज दरों में गिरावट के एसबीआई ने दिए संकेत

मुंबई ।

देश के सार्वजेनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि एफडी पर ब्याज दरें अधिक हैं और मध्यम अवधि में इनके नीचे आने की उम्मीद की जा रही है। बैंक ने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से ब्याज दर चक्र को आसान बनाना शुरू कर सकता है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच महंगाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार आठवीं बार अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा था। खारा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी तिमाही में शायद खुदरा महंगाई चार प्रतिशत की ओर बढ़ने की कुछ संभावना होगी और वह सही समय होगा जब हम रिजर्व बैंक से नीतिगत दर में कुछ कटौती की उम्मीद कर सकते हैं। यानी अक्टूबर से एफडी पर ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। रेपो रेट घटाने के बाद बैंक भी ब्याज घटाएंगे। स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा और यूरो क्षेत्र जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कुछ केंद्रीय बैंकों ने वर्ष 2024 के दौरान दरों को कम करने का चक्र शुरू कर दिया है। दूसरी ओर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की बाजार उम्मीदें, जो पहले अधिक थीं, अब कम हो गई हैं। जहां तक बैंकिंग प्रणाली में ब्याज दर का सवाल है, खारा ने कहा कि कमोबेश ये पहले ही चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि आगे जाकर हमें कुछ मामूली बदलाव देखने को मिलेंगे। पिछले महीने एसबीआई ने चुनिंदा अल्पकालिक परिपक्वता वाली सावधि जमा पर ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। खुदरा सावधि जमा के तहत 46-179 दिन की जमा पर ब्याज दर को 0.75 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले यह 4.75 प्रतिशत थी।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने सरकार की 16 और वस्तुओं के भावों पर नजर!

- मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी

नई दिल्ली ।

खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार चिंतित दिख रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार उन आवश्यक वस्तुओं की सूची में 16 नई वस्तुओं को शामिल करने की तैयारी कर रही है जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। अगर ऐसा हुआ तो मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 2024 के घोषणा पत्र में कहा था कि गरीब परिवारों के लिए अपनी गारंटी के तहत वह गरीब की थाली की सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों का विस्तार करेगी। पार्टी ने कहा था कि सरकार अपने 100 दिन के एजेंडे के तहत उन वस्तुओं की सूची का विस्तार करेगी जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। फिलहाल इस मुद्दे पर चर्चा चल रही है। सूत्रों ने बताया कि सब्जियों की कीमतों में सबसे अधिक उतार-चढ़ाव दिखता है। इसलिए मूल्य निगरानी वाली 16 नई संभावित वस्तुओं सब्जियों को शामिल किया जा सकता है। आवश्यक वस्तुओं की खुदरा एवं थोक कीमतों पर नजर रखने से सरकार को उसमें उतार-चढ़ाव को बेहतर ढंग से समझने और आवश्यक उपाय करने में मदद मिलेगी। फिलहाल सरकार 22 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतर-चढ़ाव पर नजर रखती है ताकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर उनके प्रभाव का आकलन किया जा सके। देश भर के 167 केंद्रों से इन 22 वस्तुओं की थोक एवं खुदरा कीमतें रोजाना एकत्र की जाती हैं। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में भीषण गर्मी और सूखे की स्थिति के कारण खाद्य वस्तुओं और खास तौर पर फल-सब्जियों की कीमतों पर दबाव बढ़ने के लिए चिंता जताई थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि रबी सीजन में दाल और सब्जियों की आवक पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी को देखते हुए केंद्र सरकार ने हाल के समय में कई उपायों की घोषणा की है। इसी क्रम में अनाज के निर्यात पर पाबंदी लगाई गई और शून्य शुल्क पर दलहन एवं खाद्य तेलों के आयात की अनुमति दी गई है। बहरहाल, जिन 22 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती है, उनमें चावल, गेहूं, चीनी, गुड़, नमक, दूध, चाय, आलू, प्याज, टमाटर, चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल, मसूर दाल, मूंगफली तेल, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम ऑयल और वनस्पति घी शामिल हैं।

सोना फिसला, चांदी 90 हजार से नीचे

नई दिल्ली ।

देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 495 रुपये की गिरावट के साथ 71,475 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 1,499 रुपये की गिरावट के साथ 88,946 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 2,010 रुपये की गिरावट के साथ 88,435 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,340.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,354.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 23.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.26 डॉलर था। इस समय यह 1.03 डॉलर की नरमी के साथ 29.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारतः वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत- वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।

जीवन बीमा की पॉलिसी पर मिलेगी ऋण सुविधा

पालिसी धारक को मिलेगा, पालिसी रद्द करने का अधिकार

नई दिल्ली । बीमा नियामक आयोग इरडा ने बीमा धारकों के हितों की रक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इरडा ने जो सर्कुलर जारी किया है। उसके अनुसार अब सभी जीवन बीमा पॉलिसीयों पर बीमाधारक लोन भी ले सकेंगे। जो बीमाधारक बीच में अपनी पॉलिसी कैंसिल करना चाहता है। इसका अधिकार बीमा धारक को दिया गया है। इरडा ने बीमा क्षेत्र में सुधार के लिए कई घोषणा की है। जीवन बीमा पॉलिसी का धारक अब बिना कारण बताए पाल्सी को खत्म कर सकता है। बीमा धारक को कंपनी अनुपातिक प्रीमियम वापस करेगी। इसके लिए 1 वर्ष तक बीमा पॉलिसी का चलना अनिवार्य है। पॉलिसी धारक को सस्ती दरों पर लोन लेने की सुविधा होगी। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के फ्री लुक पीरियड को 15 दिन से बढ़कर 30 दिन किया गया है। यदि पॉलिसी के कोई फीचर पसंद नहीं आते हैं। ऐसी स्थिति में पॉलिसी को वापस किया जा सकता है। उच्च शिक्षा मे बच्चों की पढ़ाई, शादी, मकान खरीदने के लिए भी जीवन बीमा पॉलिसी से राशि आहरण की सुविधा दी जाएगी। बीमा पॉलिसी के नए नियम 1 अगस्त 2024 से लागू हो जाएंगे। इरडा ने बीमा कंपनियों से कहा है। वह अपने क्षेत्र में सभी अस्पतालों में फिजिकल हेल्प डेस्क तैयार करे। जहां पर स्वास्थ्य बीमा से संबंधित पाल्सी धारक को तत्काल मदद की सुविधा मिले। अब सभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी 100 फ़ीसदी केशलेस होगी। बीमा कंपनियों को पॉलिसी मैं दी गई जानकारी को आसान भाषा में प्रदर्शित करना होगा। ताकि पॉलिसी धारक आसानी से समझ सके।

आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के भ्रामक विज्ञापन के लिए एडु टैप पर जुर्माना

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए एडटेक कंपनी एडु टैप लर्निंग सॉल्यूशंस पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने विज्ञापन में दावा किया था कि उसके 144 छात्रों का चयन 2023 में आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के लिए हुआ है। सीसीपीए ने जारी आदेश में एडु टैप को सभी इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया से विवादित विज्ञापन को तुरंत हटाने या वापस लेने का निर्देश दिया। कंपनी को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उपभोक्ता निगरानी संस्था ने पाया कि एडु टैप के यूट्यूब तथा टेलीग्राम चैनल पर विज्ञापनों में प्रतिष्ठित आरबीआई परीक्षा के लिए चुने गए 144 उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरें दिखाई गईं। हालांकि, इन उम्मीदवारों ने मंच से कौन से खास कार्से किए थे यह अहम जानकारी इनमें नहीं दी गई। सीसीपीए के जांच के निष्कर्षों के अनुसार, 144 उम्मीदवारों में से 57 ने केवल एडु टैप द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाने वाले 'इंटरव्यू गाइडेंस कोर्स' में हिस्सा लिया था। यह पाठ्यक्रम उम्मीदवार द्वारा आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के प्रारंभिक और मुख्य चरणों को उत्तीर्ण करने के बाद शुरू होता है। सीपीए के आदेश में कहा गया कि एडू टैप ने सफल छात्रों द्वारा चुने गए कोर्स के प्रकार तथा अवधि के बारे में जानबूझकर महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके।

एलन मस्क ने हटाए कंपनी से 80 प्रतिशत कर्मचारी

वाशिंगटन। अधिग्रहण के बाद एलन मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी को निजी बना लिया, जिससे उनके निर्णय में पारदेर्शिता कम हो गई है। इस कारण 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने के कुछ महीनों के भीतर, उन्होंने आधे कर्मचारियों को निकाल दिया था। एलन मस्क ने वर्ष 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीद लिया था। ट्विटर को खरीदने के बाद ही इसका नाम भी बदलकर एक्स कर दिया था। वहीं अब जानकारी मिली है कि ट्विटर यानी एक्स प्लेटफॉर्म के 6000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 80 प्रतिशत आंकड़ा है। जब एलन मस्क ने एक्स का कार्यभार संभाला था, तब उन्होंने कुछ कटौती करने की घोषणा की थी, जिसे तब से दुनिया की अन्य प्रौद्योगिकी कम्पनियों में भी देखा गया है।

हिंदुजा ग्रुप का अनिल अंबानी की कंपनी को खरीदने में छूट रहा पसीना

मुंबई ।

कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए हिंदुजा ग्रुप को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। हिंदुजा ग्रुप ने एनसीएलटी में एक आवेदन देकर लेंडर्स को अंतिम भुगतान करने के लिए और समय मांगा है। हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स (आईआईएचएल) ने अक्टूबर 2023 में रिलायंस कैपिटल के लिए 9,850 करोड़ की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। आईआईएचएल को अधिग्रहण को पूरा करने के लिए इंश्योरेंस रेगुलेटर सहित सभी अहम मंजूरियां मिल चुकी हैं। रिलायंस कैपिटल की इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग को पूरा करने और भुगतान करने की समय सीमा 27 मई थी। हिंदुजा ग्रुप ने बताया कि डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड से विदेशी निवेश के लिए मंजूरी मिलने में देरी हुई है, इसकारण इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए और समय चाहिए। रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स का आरोप था कि आईआईएचएल द्वारा आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने में विफलता का खामियाजा कॉरपोरेट देनदार और उसके वित्तीय लेनदारों को नहीं उठाना चाहिए। मंजूरी मिलने में देरी पूरी तरह से आईआईएचएल के कारण है। आईआईएचएल ने अपने आवेदन में दावा किया है कि सभी मंजूरियां प्राप्त करना उसकी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है, क्योंकि अधिकांश मंजूरियों के लिए प्रशासक या कॉर्पोरेट देनदार की परिचालन सहायक या सहयोगी कंपनियों के माध्यम से आवेदन करना आवश्यक है, इसलिए ग्रुप के हाथ में नहीं है। 2,750 करोड़ की इक्विटी निवेश के बारे में आवेदन में कहा गया है कि ग्रुप ने अपने ऑडिटर्स डी एंड जी एसोसिएट्स एलएलपी के जरिए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि ग्रुप इक्विटी पूंजी निवेश करने के अपने दायित्व को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 204 अंक, निफ़्टी 75 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस साल ब्याज दरों को कम करने की संभावनाओं से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति दर में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर 4.7 फीसदी रह गई, जो 12 महीने में इसका सबसे कम आंकड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.27 फीसदी करीब 204.33 अंक बढ़कर 76,810.90 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.33 फीसदी तकरीबन 75.95 अंक उछलकर 23,398.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.73 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टाइटन, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर नीचे आया। इसमें 1.64 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, आईटीसी, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर भी टूटे। बाजार जानकारों के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर मुद्रास्फीति में कमी के आंकड़ों से आने वाले समय में ब्याज दर में कटौती की उम्मीद है। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और इंडस्ट्रियल शेयरों में भारी खरीदारी से भी बाजार को बल मिला है। वहीं दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही जबकि जापान के निक्की और चीन के शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार दोपहर के सेशन के दौरान गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी के ज्यादातर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह धेरेलू शेयर बाजार ने महंगाई के आंकड़ों में गिरावट के कारण नए रिकॉर्ड स्तर पर शुरुआत की। खुलते ही बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ने नए शिखर छुए, बीएसई सेंसेक्स 77,102 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,481 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स ने अपनी बढ़त को कुछ हद तक गंवा दी थी। सेंसेक्स 373 अंकों की बढ़त के साथ 76,979 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी50 0.50 प्रतिशत बढ़कर 23,439 के स्तर पर पहुंच गया।

पेटीएम शेयर की कीमत में 3 फीसदी तेजी

- पेटीएम सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी

मुंबई ।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में गुरुवार को तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी। इस साझेदारी से यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं। सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे सैमसंग वॉलेट में जोड़ें कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है। पेटीएम ने कहा कि यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है।

हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए छोटे टिकट वाले बीमा उत्पादों पर नवाचार करना है।

देश का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता हैः टीसीपीएल

नई दिल्ली । टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा कि भारत का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता है, जो जनसंख्या, बढ़ते मध्यम वर्ग, तेजी से शहरीकरण, बढ़ती प्रयोज्य आय तथा बढ़ती आकांक्षाओं से प्रेरित है। टीसीपीएल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एफएमसीजी शाखा इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। अेधिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद मजबूती से बढ़ रही है और वर्तमान गति उच्च बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत इसी प्रकार की वृद्धि गति को बनाए रखेगा। विश्व अर्थव्यवस्था के लिए आधारभूत पूर्वानुमान 2024 और 2025 के दौरान दो प्रतिशत से अधिक की वृद्धि जारी रखने का है। उन्होंने कहा` कि हालांकि भारत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ बहुत मजबूती से बढ़ रहा है। भविष्य को देखते हुए, गति उच्च बनी हुई है और भारत को आने वाले वर्षों में इसी तरह की वृद्धि गति बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय मध्यम वर्ग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कंपनी के लिए अवसर उत्पन्न होंगे।

50+
AGENTS

BUYING OR SELLING A PROPERTY?

LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.

propre
Luxury Real Estate

CONTACT:

INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM
+91 9871577057
@PROPRELUXURYREALESTATE.COM

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in